संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-21 अंक- 263
पृष्ठ 8
रविवार
15 जून 2025
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- दवा से कम नहीं है लौंग की चाय...

विचार- इस बार शीतल-पेय बाजार में एक...

खेल- 27 साल का लंबा इंतजार खत्म...

ब्लैक बॉक्स पर कही यह बात

उड्डयन मंत्रालय ने बताई एअर इंडिया विमान हादसे की पूरी कहानी

नई दिल्ली,एजेंसी। गुजरात में 12 जून को 242 यात्रियों और चालक दल को लेकर लंदन जाने वाला विमान ।ा171 अहमदाबाद हवाई अड्डे से उड़ान भरने के कुछ ही देर बाद एक मेडिकल कॉलेज परिसर में दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। देखते ही देखते एअर इंडिया का विमान आग का गोला बन गया था। हादसे में विमान में सवार 52 ब्रिटिश नागरिकों सहित 241 लोगों की मौत हो गई थी। एक व्यक्ति हादसे में बच गया था, जिसका इलाज चल रहा है। मामले में सरकार ने शनिवार दोपहर एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की और हादसे की

पूरी कहानी बताई। प्रेस कॉन्फ्रेंस में केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू किंजरापु और नागरिक उड्डयन मंत्रालय के सचिव समीर कुमार सिन्हा ने मीडिया को विस्तार से मामले की पूरी जानकारी दी।

समीर कुमार सिन्हा ने बताया, 12 जून को दोपहर करीब दो बजे हमें सूचना मिली कि अहमदाबाद से गैटविक लंदन जा रहा विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया है। हमने तुरंत एटीसी अहमदाबाद के जरिए इस बारे में विस्तृत जानकारी हासिल की। यह एआईसी 171 था और इसमें कुल 242 लोग सवार थे, जिसमें 230 यात्री, दो पायलट और 10 क्रू मेंबर शामिल थे। इस विमान ने दोपहर 1:39 बजे उड़ान भरी और कुछ ही सेकंड में करीब 650 फीट की ऊंचाई पर पहुंचकर यह ऊंचाई खोने लगा यानी इसकी ऊंचाई कम होने लगी। उन्होंने आगे बताया कि दोपहर 1:39 बजे पायलट ने अहमदाबाद एटीसी को मे डे की सूचना दी यानी पूरी तरह से इमरजेंसी थी। एटीसी के मुताबिक जब उसने विमान से संपर्क करने की कोशिश की तो उसे कोई जवाब नहीं मिला। ठीक एक मिनट बाद यह विमान मेघानीनगर में दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जो एयरपोर्ट से करीब दो किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। विमान के कैप्टन सुमित सभरवाल और फर्स्ट ऑफिसर क्लाइव सुंदर थे। जहां तक विमान की बात है तो इस दुर्घटना से पहले विमान ने पेरिस–दिल्ली–अहमदाबाद सेक्टर की उड़ान बिना किसी परेशानी के पूरी की थी। दुर्घटना के कारण दोपहर 2रू30 बजे रनवे को बंद कर दिया गया और सभी प्रोटोकॉल पूरे करने के बाद शाम पांच बजे से अहमदाबाद के रनवे को सीमित उड़ानों के लिए खोल दिया गया।

मणिपुर में सुरक्षा बलों की बड़ी कार्रवाई

300 राइफल और हथियार बरामद पांच उग्रवादी किए गिरफ्तार

इंफाल,एजेंसी। मणिपुर में सुरक्षा बलों ने बड़ी कार्रवाई की। पुलिस, सीएपीएफ, सेना और असर राइफल्स ने पांच घाटी जिलों में छापेमारी करके 300 राइफल और हथियार बरामद किए हैं। इसके अलावा जबरन वसूली के आरोप में प्रतिबंधित संगठनों के पांच उग्रवादियों को गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने कहा कि सुरक्षा बलों ने 151 एसएलआर राइफल, 65 इंसास राइफल, 73 अन्य प्रकार की राइफल, 5 कार्बाइन गन, 2 एमपी–5 गन, 12 हल्की मशीन गन, छह एके सीरिज राइफल, दो अमोघ राइफल, एक मोर्टार, छह पिस्टल, एक एआर–15, दो फ्लेयर बंदूक, 10 ग्रेनेड और सात डेटोनेटर समेत कुल 328 बंदूकें और राइफलें बरामद की गईं। अफसरों ने कहा कि ये खुफिया–आधारित ऑपरेशन मणिपुर पुलिस और सुरक्षा बलों के लिए सामान्य स्थिति बहाल करने,

सार्वजनिक व्यवस्था बनाए रखने, नागरिकों और उनकी संपत्तियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उनके निरंतर प्रयासों में एक बड़ी उपलब्धि ा है। अधिकारी ने बताया कि सुरक्षा बलों ने इंफाल पूर्व, इंफाल पश्चिम, बिष्णुपुर, काकचिंग और थौबल में भारी मात्रा में हथियार और गोला–बारूद छिपाकर रखे जाने की खुफिया जानकारी के बाद तलाशी अभियान चलाया था। यह अभियान सामान्य स्थिति बहाल करने, सार्वजनिक व्यवस्था बनाए रखने तथा संघर्षग्रस्त राज्य में लोगों और उनकी संपत्ति की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सुरक्षा बलों के निरंतर प्रयासों में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। मणिपुर पुलिस ने जन व्यवस्था बनाए रखने और सभी नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हुए आम जनता से अपील की है कि वे सतर्क रहें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि या अवैध हथियारों से जुड़ी सूचना नजदीकी पुलिस स्टेशन या केंद्रीय नियंत्रण कक्ष को तुरंत दें। अधि ाकारियों ने यह भी कहा कि इस तरह के खुफिया अभियान तब तक केंद्रित और निरंतर रूप से जारी रहेंगे जब तक राज्य में पूर्ण रूप से शांति बहाल नहीं हो जाती।

एअर इंडिया विमान के यात्री से वसूली के आरोप पर गृह मंत्रालय का जवाब, कहा- वीजा खत्म होने का शुल्क लिया

नई दिल्ली,एजेंसी। अहमदाबाद से हादसे का शिकार हुए एअर इंडिया विमान के यात्री से वसूली किए जाने के आरोपों पर गृह मंत्रालय ने जवाब दिया है। गृह मंत्रालय ने कहा कि यात्री का वीजा खत्म हो गया था। इसलिए शुल्क वसूला गया।

हादसे में मृत यात्री के रिश्तेदार ने अहमदाबाद आव्रजन अधिकारियों पर वसूली का आरोप लगाया था। गृह मंत्रालय ने कहा कि एअर इंडिया विमान दुर्घटना में मृत यात्री के एक रिश्तेदार ने आरोप लगाया था कि यात्री के परिवार से विमान में चढ़ने के लिए इमिग्रेशन अधिकारी को 1000 पाउंड जुर्माना वसूल किया गया। इस मामले की जांच के बाद सामने आया कि यात्री मास्टर रुद्र किशन मोधा ने समय पर वीजा शुल्क और जुर्माना नहीं जमा किया था। इसके लिए उनसे कुल राशि लगभग 91,150 रुपये लिए गए। यात्रियों को निकास परमिट देने में उचित प्रक्रिया का पालन किया गया। गृह मंत्रालय ने बताया कि यात्री मास्टर रुद्र किशन मोधा ब्रिटिश पासपोर्ट धारक थे। उनकी जन्मतिथि 22 अगस्त 2023 थी। जबकि यूके पासपोर्ट जारी होने की तिथि 10 अप्रैल 2024 थी। इस हिसाब से यात्री रुद्र भारत में अधिक समय यानि एक साल दो महीने और दो दिन रहे। एक वर्ष से अधिक समय के लिए यूके पासपोर्ट वीजा शुल्क 484 डॉलर है। भारतीय रुपयों में यह 484'85 यानि 41,140 रुपये होता है। जबकि 90 दिनों से अधिक के लिए जुर्माना 50,000 रुपये तय है। इसलिए वीजा शुल्क 41,140 रुपये और जुर्माना 50,000 रुपये जोड़कर कुल 91,140 रुपये लिए गए थे। इसके बाद बच्चे का निकास परमिट जारी किया गया था।

बढ़े कुली के रेटय व्हील चेयर, ट्रेन के इंतजार का लगेगा अलग चार्ज

नई दिल्ली,एजेंसी। मध्य प्रदेश में अगर आप ट्रेन से सफर कर रहे हैं, तो अब आपको ज्यादा रुपए चुकाने होंगे। क्योंकि अब से रेलवे ने मध्य प्रदेश में कुलियों का मेहनताना बढ़ा दिया है। प्रदेश के रेलवे स्टेशन पर कुलियों के द्वारा सामान ट्रेन में चढ़ाने से लेकर ट्रेन के इंतजार और आपका अलग–अलग बोझ उठाने का अलग–अलग चार्ज लगेगा। पश्चिम रेलवे ने यात्रियों की सुविधा के लिए स्टेशनों पर मौजूद रहने वाले कुलियों के भाड़े में बदलाव किया है जो तत्काल प्रभाव से सभी स्टेशनों पर लागू हो गया है। जनसंपर्क अधिकारी खेम.राज मीणा के मुताबिक, इस साल भारतीय रेलवे द्वारा स्टेशनों पर रजिस्टर्ड कुलियों के भाड़े में पोर्ट्रेट चार्ज स्टेशन के आधार पर बदलाव किया है। रेलवे द्वारा वर्गीकृत एनएसजी(नॉन सबअर्बन ग्रुप)–1, एनएसजी –2, एनएसजी–3, एनएसजी–4, एसजी (सब अर्बन ग्रुप)–1, एसजी–2 एवं एसजी –3 स्टेशनों पर प्रति ट्रिप रुपए 100/– तथा एनएसजी–5, एनएसजी–6, एच जी–1, एच.जी.(हॉल्ट ग्रुप)– 2 एवं एच.जी.–3 स्टेशनों के लिए प्रति ट्रिप रुपए 80/– पोर्टरेज चार्जेज निर्धारित की गई है। यदि आपके द्वारा कुली को दिए जाने वाले एक बैगध्पैकेज का वजन 20 किलोग्राम से अधिक तथा 40 किलोग्राम तक है, तो प्रति बैग/पैकेज 50 रुपये अतिरिक्त भुगतान करना होगा। इस दौरान कुली जितने भी लगेज उठाएगा उसके हिसाब से चार्ज लिया जाएगा। कुली द्वारा सामान को ट्रेन पर चढ़ाने के लिए ट्रेन लेट होने पर इंतजार करना हो तो 30 मिनट तक उसका कोई चार्ज देय नहीं होगा। लेकिन उसके बाद 30 मिनट या उससे ज्यादा इंतजार करने पर 100 रुपये का भुगतान करना होगा।

देश में कोरोना संक्रमण से नौ मरीजों की मौत, कुल सक्रिय मामले 7400

नयी दिल्ली,एजेंसी। देश में पिछले 24 घंटों के दौरान कोरोना संक्रमण से नौ और मरीजों की मौत होने से इस वायरस से मरने वालों की कुल संख्या 87 हो गयी और 269 सक्रिय मामले बढ़ने के साथ कुल सक्रिय मामले 7400 हो गये हैं। इससे पहले शुक्रवार को कोरोना सक्रिय मामलों की कुल संख्या 7131 थी। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से आज जारी आंकड़ों के अनुसार पिछले 24 घंटों में महाराष्ट्र में कोराना संक्रमण से चार, केरल में तीन और राजस्थान और तमिलनाडु में एक–एक मरीज की मौत हो गयी है। राष्ट्रीय राजधानी, महाराष्ट्र, गुजरात, केरल और पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों में सबसे ज्यादा मामले सामने आ रहे हैं। गत 22 मई को देश में कोराना के मामले सिर्फ 257 सक्रिय थे जो आज बढ़कर 7400 तक पहुंच गए। स्वास्थ्य मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक इस दौरान 11967 मरीज कोरोना के संक्रमण से से

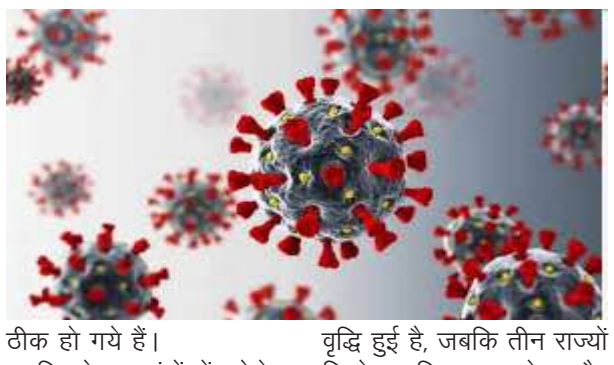

ठीक हो गये हैं।

पिछले 24 घंटों में कोरोना संक्रमण के सबसे अधिक सक्रिय मामले गुजरात से 79, कर्नाटक से 132, केरल से 54 और मध्य प्रदेश से 20 मामले सामने आये है और दिल्ली में 42, आंध्र प्रदेश में 15 और महाराष्ट्र में 16 मामले कम हुए हैं। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के अनुसार संक्रमण के नये उभरते वेरिएंट, विशेष रूप से एलएफ.7, एक्सएफजी, जेएन.1 और हाल ही में पहचाने गये एनबी.1.8.1 सबवेरिएंट के कारण हो रहा है। इन वेरिएंट्स की जांच चल रही है। मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार देश के 28 राज्यों और केन्द्रशासित प्रदेशों में कोरोना के सक्रिय मामलों में वृद्धि हुई है, जबकि तीन राज्यों मिजोरम, हिमाचल प्रदेश और अरुणाचल प्रदेश में कोरोना संक्रमण का अभी कोई सक्रिय मामला नहीं है। केरल, दिल्ली, गुजरात, कर्नाटक, महाराष्ट्र और पश्चिम बंगाल में सक्रिय मामलों में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है।

संक्रमण के मामले में केरल सबसे अधिक प्रभावित राज्य है, आज सुबह तक 54 सक्रिय मामले बढ़ने के साथ इसका आंकड़ा 2109 तक पहुंच गया है और राष्ट्रीय राजधानी में 42 मामले घटने से संक्रमितों की कुल संख्या घटकर 672 रह गई। गुजरात में 79 सक्रिय मामले बढ़ने से कुल सक्रिय मामलों की संख्या बढकर 1437 पहुंच गयी है। इसके अलावा पश्चिम बंगाल में 747, महाराष्ट्र में 613, कर्नाटक में 527, तमिलनाडु में 232, उत्तर प्रदेश में 248, राजस्थान में 180, हरियाणा में 97, आंध्र प्रदेश में 102, मध्य प्रदेश में 120, छत्तीसगढ में 50, बिहार में 41, ओडिशा में 45, सिक्किम में 50, पंजाब में 29, जम्मू–कश्मीर में नौ, झारखंड में 25, असम में 26, तेलंगाना में आठ, पुड्डुचेरी में 10, मणिपुर और उत्तराखंड में पांच–पांच, गोवा में छह, लद्दाख में तीन, चंड़ीगढ़ और त्रिपुरा में दो–दो सक्रिय मामले हैं। सरकारी अधि ाकारियों और स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने मास्क पहनना, बार–बार हाथ ध ोना और भीड़–भाड़ वाले इलाकों पर जाने से बचने की अपील की है, खासकर उन क्षेत्रों में जहां मामलों में वृद्धि देखी जा रही है। इसके अलावा, मौसमी वायरल बुखार के भी फैलने के साथ, स्वास्थ्य पेशेवरों ने कोविड–19 को अन्य संक्रमणों से अलग करने की आवश्यकता पर बल दिया है।

प्रदेश में पहली कक्षा में दाखिले की उम्र में बदलाव

देहरादून,एजेंसी। उत्तराखंड में पहली कक्षा में दाखिले की उम्र में बदलाव करके सरकार ने अभिभावकों और स्कूलों को बड़ी राहत दी है। अब दाखिला लेने वाले बच्चे की उम्र एक जुलाई तक छह साल पूरी होनी चाहिए। इसके लिए शिक्षा के अधिकार नियमावली 2011 में संशोधन किया है। अभी तक पहली कक्षा में दाखिले के लिए एक अप्रैल तक छह साल की आयु पूरी होने का नियम था। इस कारण वे अभिभावक परेशान थे, जिनका बच्चा दो–तीन महीने के अंतर से दाखिले से वंचित रह गया। अभिभावक सवाल उठा रहे थे कि आयु सीमा में कुछ दिन या कुछ सप्ताह के अंतर के चलते बच्चे को पूरे साल दाखिले से वंचित रखना न्यायपूर्ण नहीं है। यह मसला राज्य बाल आयोग के समक्ष भी उठा था। आयोग अध्यक्ष डॉ. गीता खन्ना ने शिक्षा महानिदेशक को नियमों को लेकर फिर से विचार करने के निर्देश दिए थे। इसके बाद सरकार ने दाखिले की आयु सीमा पूरे तीन महीने और बढ़ा दी है, ताकि अभिभावकों की कुछ दिन या कुछ सप्ताह को लेकर शिकायतें बाकी न रहें।

उत्तराखंड निशुल्क और अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार (संशोधन) नियमावली 2025 के तहत पहली कक्षा में दाखिले के लिए एक जुलाई तक छह साल की आयु पूरी होने की अधिसूचना शुक्रवार को जारी कर दी गई। एक शिक्षा अधिकारी ने बताया कि यह फैसला अभिभावकों के साथ–साथ स्कूलों के लिए भी हितकारी है। मौजूदा सत्र में एक अप्रैल की आयु सीमा के कारण कई स्कूलों में शैक्षिक सत्र 2025–26 में दाखिले कम हुए थे, जो अब बढ़ सकेंगे। सरकार ने उन बच्चों को राहत दी है जिन्होंने वर्तमान में प्री–स्कूल (नर्सरी, एलकेजी और यूकेजी) में प्रवेश ले लिया है। ऐसे बच्चों को पूर्व के वर्षों की भांति कक्षा–एक में अध्ययन की अनुमति दी जाएगी और उनकी आगे की पढ़ाई की निरंतरता में कोई व्यवधान नहीं होगा।

कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने संस्थागत मध्यस्थता पर दिया जोर

नई दिल्ली,एजेंसी। केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने संस्थागत मध्यस्थता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि यह भारतीय संस्कृति का हिस्सा है। दिल्ली में एक सम्मेलन में मंत्री ने यह भी कहा कि संगठनों को समय की आवश्यकता के अनुसार लचीला और कठोर बनने के लिए तैयार रहना चाहिए। ताकि उनके हित सुरक्षित रहें और वे राष्ट्र निर्माण में योगदान दे सकें। कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने कहा कि अधिकारियों को जोखिम उठाने के लिए तैयार रहना चाहिए। अपने संगठन के वित्तीय हितों के लिए प्रचलित रास्ते पर नहीं चलना चाहिए। उन्होंने अफसोस जताया कि मध्यस्थता भारतीय संस्कृति का हिस्सा है, लेकिन कहीं न कहीं यह अवध ाारणा विफल हो गई है और अन्य देश अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता के केंद्र बन गए। उन्होंने आशा जताई कि भारत शीघ्र ही अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता का नया केंद्र बनकर उभरेगा। सम्मेलन में ओएनजीसी के चेयरमैन अरुण कुमार सिंह ने कहा कि समय ही धन है, इसलिए मध यस्थता की प्रक्रिया को समयबद्ध बनाने की जरूरत है। वाणिज्यिक विवादों का समयबद्ध तरीके से निपटारा करना व्यापार तंत्र के लिए आवश्यक है। साथ ही मध्यस्थता को अधिक कॉर्पोरेट और कम कानूनी बनाना चाहिए।

अरुण कुमार सिंह ने कहा कि विवाद के मुख्य तीन कारण होते हैं। पहला अधिकारियों का अत्यधिक रूढ़िवादी होना, जो अपनी जान बचाने के लिए जिम्मेदारी दूसरे पर डाल देते हैं।

इस्राइली रक्षा मंत्री की ईरान को चेतावनी, कहा- अगर मिसाइलें दागनी बंद नहीं कीं तो जलेगा तेहरान

दुबई,एजेंसी। इस्राइल के रक्षा मंत्री इजराइल काट्ज ने शनिवार को ईरान को चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि अगर उसने मिसाइलें दागनी बंद नहीं कीं तो तेहरान जल जाएगा। रक्षा मंत्री ने एक बैठक के दौरान यह बात कही। रक्षा मंत्री काट्ज ने शनिवार को इस्राइल रक्षा बलों (आईडीएफ) के चीफ ऑफ स्टाफ इयाल जमीर, मोसाद के निदेशक डेविड बार्निया और अन्य शीर्ष सैन्य अधिकारियों के साथ स्थिति का आकलन करने के लिए बैठक की। इस दौरान उन्होंने कहा कि अगर ईरान इस्राइली नागरिकों को नुकसान पहुंचाएगा, तो उसे इसकी भारी कीमत चुकानी पड़ेगी। काट्ज ने जोर देकर कहा, श्अगर अयातुल्ला अली खामेनेई इस्राइली घरेलू मोर्चे पर मिसाइलों से हमला करना जारी

रखते हैं, तो तेहरान जल जाएगा। इजराइल काट्ज की यह टिप्पणी तब आई है, जब शुक्रवार सुबह इस्राइल ने ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर हमला किया था। बाद में, ईरान ने शनिवार रात को इस्राइल पर जवाबी हमला किया और मिसाइलें दागीं। स्राइल ने अब तक अपने हमलों को ईरानी परमाणु और सैन्य प्रतिष्ठानों तक सीमित रखा है और उनसे जुड़े प्रमुख अधिकारियों को निशाना बनाया है। इस्राइल और ईरान के बीच चल रहे तनाव को देखते हुए इस्राइल का मुख्य अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा बंद कर दिया गया है। अधिकारियों ने बताया कि हवाई अड्डा अगली सूचना तक बंद रहेगा।

आईडीएफ ने कहा कि ईरान ने कल रात से लेकर अब तक कई बार इस्राइल पर करीब 200 बैलिस्टिक मिसाइलें दागी हैं। आईडीएफ ने दावा किया कि अधि ाकांश मिसाइलों को हवाई सुरक्षा ने रोक दिया है। सेना ने कहा कि छोटी संख्या की मिसाइलें हवाई सुरक्षा को भेदकर निकल गईं, जो हताहतों और क्षति का कारण बनीं। सेना ने बताया कि जिन जगहों पर मिसाइलें गिरीं, उनमें तेल अवीव, रमत गण और मध्य इस्राइल के रिशोन लेजियन के आवासीय क्षेत्र शामिल हैं। ऐसा बताया जा रहा है कि ईरानी मिसाइल हमलों में तीन इस्राइली लोग मारे गए और 70 अन्य घायल हो गए। आईडीएफ ने कहा कि उसके सभी बेस, जिसमें एयर बेस भी शामिल हैं, सामान्य रूप से काम कर रहे हैं। उन्हें कोई नुकसान नहीं पहुंचा है। सेना ने बताया कि शुक्रवार को दागे गए 100 ड्रोन के अलावा, रात भर इस्राइल पर दागे गए कई ड्रोन को इस्राइली वायु सेना और नौसेना ने मार गिराया।

प्रतियोगी छात्र का फांसी पर लटकता मिला शव

प्रयागराज। शहर में रहकर प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे एक छात्र ने खुदकुशी कर ली। शनिवार सुबह फांसी पर लटकता उसका शव मिला। घटना बेली कालोनी की है। छात्र ने खुदकुशी क्यों की, यह स्पष्ट नहीं हो पाया। पुलिस जांच कर रही है। प्रतापगढ़ के दलापुर झीरी गांव निवासी राम प्रताप यादव का 20 वर्षीय बेटा साहिल यादव शहर में रहकर प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहा था। हाल ही में वह बेली कॉलोनी के एक मकान में रहने आया था। सुबह मकान मालिक की सूचना पर कैंट पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। छात्र के कमरे से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। इससे उसके आत्महत्या करने की वजह का पता नहीं चल पाया। पुलिस ने साहिल के घरवालों को सूचित कर दिया है। उनके आने पर ही घटना की वजह पता चल सकती है।

अमान्या को महापौर ने दी श्रद्धांजलि

प्रयागराज। महापौर उमेश चंद्र गणेश केसरवानी ने अमान्या गुप्ता को श्रद्धांजलि दी। महापौर शुक्रवार को कीडगंज खलासी लाइन स्थित अमान्य गुप्ता के आवास गए। महापौर ने अमान्या गुप्ता के मात–पिता और परिवार के अन्य सदस्यों से मुलाकात कर अपनी शोक संवेदना व्यक्त की एवं हर संभव मदद के लिए परिवारजनों को आश्वासन दिया। अमान्या की बीते बुधवार को यमुना बैंक स्थित पार्क का मुख्य गेट गिरने से मौत हो गई थी। अमान्या अपनी बहनों के साथ सुबह टहलने गई थी, तभी यह हादसा हुआ। परिजनों ने ठेकेदार और नगर निगम के अधिकारियों पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए तहरीर दी है।

नासिक में कुम्भ के लिए अधिकारियों ने ली महाकुम्भ की तैयारियों की जानकारी

प्रयागराज। नासिक में होने वाले कुम्भ की तैयारी और प्रबंधन समझने के लिए महाराष्ट्र सरकार की टीम शुक्रवार को प्रयागराज आई। महाराष्ट्र सरकार की मुख्य सचिव सुजाता सौनिक के नेतृत्व में टीम ने संगम क्षेत्र स्थित प्रयागराज मेला प्राधिकरण के कार्यालय में स्थानीय अधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक में

महाराष्ट्र की टीम ने यहां आयोजित महाकुम्भ की तैयारी और आयोजन के बारे में जानकारी प्राप्त की। स्थानीय अधिकारियों ने यहां आयोजित हुए महाकुम्भ की तैयारियों को मेहमानों के साथ साझा किया। स्थानीय अधिकारियों ने मेहमान टीम के सदस्यों को प्रयागराज में पिछले दो से तीन वर्षों में स्थायी ढांचे से लेकर अस्थायी शहर बसाने संबंधी कार्यों के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। महाराष्ट्र सरकार की मुख्य सचिव ने विशेष रूप से स्थानीय अधिकारियों से भीड़ प्रबंधन, सेनिटेशन, विद्युत, शौचालय व्यवस्था, घाट की व्यवस्था समेत अन्य आधारभूत सुविधाएं संबंधित जानकारी प्राप्त की। बैठक में अपर मेला अधिकारी दयानंद प्रसाद, नगर आयुक्त सीलम साई तेजा, मुख्य विकास अधिकारी हर्षिका सिंह समेत कई अधिकारी मौजूद रहे।

जून के आखिरी सप्ताह में रिजल्ट की संभावना

प्रयागराज। इलाहाबाद विश्वविद्यालय (इविवि) में चार दिनी परास्नातक प्रवेश परीक्षा (पीजीएटी–2025) का समापन शुक्रवार को हो गया है। परास्नातक के 61 पाठ्यक्रमों के लिए तकरीबन 32 हजार अभ्यर्थियों ने ऑनलाइन आवेदन किया था। इसमें से तकरीबन 29 हजार विद्यार्थियों ने प्रवेश परीक्षा दी है। परीक्षा पूरा होने के बाद उत्तरपुस्तिकाओं का मूल्यांकन काम शुरू होगा। प्रवेश प्रकोष्ठ से जुड़े सूत्रों ने बताया कि जून के आखिरी सप्ताह में सभी पाठ्यक्रमों का रिजल्ट घोषित कर दिया जाएगा। इसके बाद समर्थ पोर्टल पर प्रवेश के लिए पंजीकरण शुरू हो जाएगा।

विमान दुर्घटना में मृतकों को अर्पित की श्रद्धांजलि

प्रयागराज। भारत विकास परिषद मंगलम शाखा की ओर से शुक्रवार को टैगोर टाउन में श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गयी। इस मौक पर गुरुवार का अहमदाबाद में हुई विमान दुर्घटना में दिवंगत लोगों को श्रद्धांजलि अर्पित की गयी। शाखा के संरक्षण नागेन्द्र सिंह ने की विमान दुर्घटना से देश की अपूर्णनीय क्षति हुई है। इस तरह की दुर्घटनाओं को रोकने के लिए सरकार को सख्त कदम उठाना चाहिए। इस मौके पर अध्यक्ष वीपी गुप्ता, शिवनंदन गुप्ता, सचिव सुनील श्रीवास्तव, कोषाध्यक्ष प्रदीप जायसवाल, संयोजक सुशील दुबे, जितेन्द्र कुमार, सुधीर द्विवेदी, प्रो. श्यामल मुखर्जी, जाह्नवी मिश्रा मौजूद रहीं।

सीपीआर देखकर फायरकर्मी की बचाई जान

प्रयागराज। नुरुल्लाह रोड स्थित मुस्तफा कॉम्प्लेक्स में 12 जून को आग लगने पर फायर बिग्रेड के जवान आग बुझाने पहुंचे थे। आग पर काबू पाने के बाद फायरमैन फूलचंद्र यादव हीट स्ट्रोक के कारण बेहोश होकर गिए पड़े। उस समय वहां पर मौजूद प्रिम रोज संस्थान के प्रमुख फरहान आलम ने तत्काल फूलचंद्र को सीपीआर देकर उनकी जान बचाई। सीपीआर से आराम मिलने पर उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। फरहान के प्रयास को सीएफओ डॉ. राजीव कुमार पांडेय ने सहारा। फहरान इससे पहले महाकुम्भ में सीपीआर देकर कई लोगों की जान बचा चुके हैं।

नल दे रहे दूषित-बदबूदार पानी, अफसरों के पास समाधान नहीं

प्रयागराज। गंगा–यमुना के शहर में पानी के लिए लोगों को तरसना पड़ रहा है। शहरियों को पानी देने के बदले टैक्स लेने वाले जलकल विभाग के पास स्थायी समाधान नहीं है। शहर के किसी मोहल्ले में ट्यूबवेल खराब रहता है तो किसी कॉलोनी में गंदे पानी की जलापूर्ति होती है। यह दैनिक समस्या हो गई है। विभाग के अधिकारियों–कर्मचारियों की कार्यप्रणाली ऐसी कि शिकायतों पर कई–कई दिनों तक समाधान नहीं होता। अब प्रीतमनगर कॉलोनी के एक हिस्से में पिछले चार दिनों से घरों के नलों से दूषित पानी आ रहा है। पानी में बदबू इतनी कि इसे घर के किसी काम में प्रयोग नहीं कर सकते।

कॉलोनी के लोगों से समस्या जानी तो वह जलकल विभाग को कोसने लगे। उनका कहना है कि कुछ समय पूर्व भी इसी समस्या के कारण लोग पेट संबंधी बीमारियों से परेशान थे। शहर के पॉश कॉलोनियों में शुमार प्रीतम नगर कॉलोनी में पिछले चार दिनों से घरों के नलों से गंदा और बदबूदार पानी आ रहा है। श्रेया मांटेसरी स्कूल के पास जलापूर्ति चालू होने पर लोग नल को करीब आधा घंटा खुला छोड़ देते हैं। इसके बाद ही पानी कुछ साफ आता है, लेकिन बदबू बनी रहती है। बदबू इतनी कि इस पानी को नहाने और कपड़े धुलने के काम में भी लाने से लोग परहेज कर रहे हैं। समस्या को लेकर लोग जलकल विभाग में गए। स्थानीय पार्षद से भी गुहार लगाई, लेकिन समस्या का समाधान नहीं है। समस्या से करीब 200 से ज्यादा लोग प्रभावित हैं। सुनवाई नहीं होने से लोगों में आक्रोश है। लोगों का कहना है कि यह समस्या पहले भी होती रही है, लेकिन इसका स्थायी समाधान की बजाय मात्र खानापूरी की गई। लोगों ने बताया कि यहां पेयजल आपूर्ति के लिए बिछाई गई पाइप लाइन जगह–जगह से क्षतिग्रस्त होकर सीवर लाइनों से कनेक्ट हो गई है। जलापूर्ति बंद होने पर वैक्यूम बन जाता है और सीवर का पानी खींचकर पाइप लाइनों में आ जाता है। आपूर्ति चालू होने पर यही गंदा पानी नलों के जरिए घरों में पहुंच रहा है। दूषित पानी के उपयोग से कई लोग पेट संबंधी बीमारी से परेशान हैं। लोगों का कहना है कि अगर अभी समस्या का समाधान नहीं किया गया तो बारिश में स्थिति काफी विकट हो जाएगी। बीमारियों का खतरा भी बढ़ जाएगा। आरओ का पानी खरीद रहे परिवार नलों से गंदा पानी आने के कारण लोग इसका उपयोग नहीं कर रहे हैं। मजबूरी में पीने और खाना बनाने के लिए आरओ का पानी खरीद रहे हैं। नल के पानी से कपड़े धोने पर कपड़ों से बदबू आती रहती है। नहाने के लिए भी इस पानी का उपयोग नहीं कर पा रहे हैं। जलापूर्ति चालू होने पर सबसे पहले लोग यह चेक करते हैं कि कहीं पानी टंकी में तो नहीं चढ़ रहा है। टंकी में गंदा पानी न चला जाए, इसके लिए टंकी की सप्लाई काट दी जा रही है। ––हमारी भी सुनें––– चार दिन से नल से गंदा और बदबूदार पानी आ रहा है, जिससे हम लोग पानी का उपयोग नहीं कर पा रहे हैं। आरओ का पानी खरीद रहे हैं। शिकायत की गई, लेकिन समस्या का निदान नहीं हो पाया है। –ओपी सिंह कॉलोनी में जहां हम लोग रह रहे हैं वहां नल से बदबूदार पानी आ रहा है। इस समस्या से मोहल्ले के सभी लोग परेशान हैं। इसकी शिकायत विभागीय लोगों से की गई तो अधिकारी निरीक्षण कर चले गए। समस्या बनी हुई है। – अशोक कुमार सिंह नल से जो पानी आ रहा है उसमें इतनी दुर्गंध है कि उसे पीना तो दूर कपड़े भी नहीं साफ कर सकते। चार दिन से लोग परेशान हैं, लेकिन कोई सुनने वाला नहीं है। विभाग को सिर्फ टैक्स से मतलब रहता है। –राजेश रस्तोगी सुबह पानी आने पर

हम लोग करीब एक घंटे तक नल खुला छोड़ देते हैं, उसके बाद ही पानी कुछ साफ आता है। लेकिन बदबू बनी रहती है। गंदे पानी के सेवन से लोग बीमार पड़ रहे हैं। लोगों को साफ पानी मिले यह विभाग की जिम्मेदारी है। – मुकेश रस्तोगी नलों से गंदा पानी आने से सबसे अधिक दिक्कतें महिलाओं को ही उठानी पड़ती है। सारे घरेलू काम प्रभावित हो जाते हैं। नहाने, खाना पकाने, कपड़े धोने जैसे काम के लिए पानी के इंतजाम में लगे रहते हैं। –सरोज सिंह चार दिन से चली आ रही इस समस्या से लोग तंग आ चुके हैं। शिकायत करने पर विभाग के कर्मचारी आए और देख कर चले गए। समस्या का निदान नहीं हो पाया है। अफसर बेपरवाह बने हुए हैं। –कन्हैया पाण्डेय सुबह पानी आते ही हम लोग मोटर चला कर नल खुला छोड़ देते हैं। अगर ऐसा न करें तो गंदा पानी टंकी में भर जाए और न इ समस्या खड़ी हो जाए। जिम्मेदारों ने समस्या का निधान न किया तो बीमारी फैलने में देर नहीं लगेगी। – श्याम सिंह नल से गंदा पानी आना बेहद गंभीर समस्या है। ऐसे तो महामारी फैल जाएगी। अधिकारियों को इस पर संज्ञान लेकर तत्काल समस्या का निदान कराना चाहिए। बारिश के मौसम में समाधान भी नहीं हो पाएगा। – हर्षित त्रिपाठी हम लोग बराबर वाटर टैक्स देते आ रहे हैं। हमें साफ पानी मिले यह विभाग की जिम्मेदारी है। चार दिन से नलों से गंदा पानी आ रहा है और लोग बीमार पड़ रहे हैं, लेकिन जिम्मेदार समस्या से अनजान बने हुए हैं। – जय प्रकाश पाण्डेय डॉक्टर कहते हैं कि बीमारी से बचना है तो साफ पानी का सेवन करें, लेकिन जलकल विभाग दूषित जल की आपूर्ति करा रहा है। चार दिन से लोग परेशान हैं। यह बेहद गंभीर समस्या है, जिसका समाधान नहीं हो पा रहा है। –श्रीप्रकाश पाण्डेय सुबह साफ पानी नहीं मिलता तो पूरा दिन खराब हो जाता है। सुबह न तो नहा पाते हैं न ही किचन का कोई काम हो पाता है। बच्चों को भी परेशानी होती है। समस्या गंभीर है जिसका समाधान होना जरूरी है। –सविता चड्ढा नल से गंदा पानी आने की समस्या पिछले तीन–चार दिनों से बनी हुई है। इसकी शिकायत विभागीय लोगों से करने के बाद भी समस्या का समाधान नहीं हो पाया है। अधिकारी ध्यान दें तो समस्या का समाधान हो जाए। – सत्येन्द्र पाण्डेय सुबह उठने पर सबसे पहले पानी की ही जरूरत पड़ती है। नल खोलते हैं तो उससे गंदा पानी आता है। बदबू से मन खराब हो जाता है। इस पानी से न तो नहा पाते हैं न ही उसे अन्य कार्य में उपयोग कर पा रहे हैं। – विमल कुमार चौधरी यहां की पाइप लाइन काफी पुरानी है, जो आए दिन क्षतिग्रस्त हो जाती है। समस्या के समाधान के लिए नई पाइप लाइन डालनी होगी। तभी स्थायी समाधान हो पाएगा। – प्रशांत पाण्डेय लोगों के घरों में नलों से गंदा पानी आ रहा है इससे लोग बीमार पड़ रहे हैं। यह समस्या बीते चार दिन से है। शिकायत के बावजूद समस्या का निदान नहीं हो सका है जिससे लोग परेशान हैं। – अर्जुन सिंह नल से गंदा पानी आ रहा है। शिकायत विभागीय अधिकारियों को दे दी गई है, उसके बावजूद समस्या का निदान नहीं हो पाया है। समझ में नहीं आ रहा इस समस्या से कब छुटकारा मिलेगा। – किशन कुमार सुबह नल से इतना बदबूदार पानी आता है कि उसका उपयोग नहीं किया जा सकता। इससे बड़ी दिक्कतें हो रही हैं। अगर जलकल विभाग के अधिकारी इस पर ध्यान दें तो तुरंत समस्या खत्म हो जाएगी। –गुंजा जायसवाल स्मार्ट सिटी में रह रहे हैं। बराबर वाटर टैक्स भी अदा करते आ रहे हैं। अपेक्षा करते हैं कि विभाग शुद्ध पानी तो देगा, लेकिन लापरवाही का आलम यह है कि शिकायत के बाद भी समाधान नहीं हो रहा है। – राजेंद्र यादव नल से जो पानी आ रहा है उसे किसी काम में उपयोग नहीं कर सकते। नल खोलते हैं तो पानी से इतनी बदबू आती है कि मन खराब हो जाता है। विभाग समस्या का निदान जल्द कराए। – नीरज यादव गंदे पानी की आपूर्ति के कारण पूरी दिनचर्या बिगड़ गई है। सुबह एक घंटा नल के सामने खड़े रहते हैं कि कब पानी साफ आए। जिम्मेदार इस पर ध्यान दें और समस्या का समाधान कराएं। – शिवम सिंह बोलीं पार्षद – गैस पाइप लाइन बिछाने के दौरान पेयजल की पाइप लाइनें क्षतिग्रस्त हुई हैं। स्थानीय लोगों ने दूषित जलापूर्ति की शिकायत की थी जिस पर जलकल विभाग के अधिकारियों को समस्या से अवगत कराया गया। विभागीय लोग निरीक्षण कर लीकेज का पता कर रहे हैं। समस्या का शीघ्र समाधान कराने का प्रयास किया जा रहा है। –सुनीता सिंह, पार्षद, प्रीतम नगर बोले जिम्मेदार कॉलोनी के एक भाग में दूषित जलापूर्ति की शिकायत मिली है। मौके पर अवर अभियंता को निरीक्षण के लिए भेजा गया था। टीम लगाकर लीकेज का पता लगाया जा रहा है। लीकेज मिलते ही दूषित जलापूर्ति की समस्या का शीघ्र समाधान करा दिया जाएगा । – प्रदीप यादव, एक्सईएन, जलकल

मां को ढूंढने निकले लापता बच्चे सालभर बाद प्रयागराज में मिले, तलाश और इंतजार में पिता की मौत

प्रयागराज। बचपन में मां का साया छूटने से व्याकुल भाई–बहन एक साल पहले भटकते हुए दौसा राजस्थान से उत्तर प्रदेश के प्रयागराज पहुंच गए। मां की याद व तलाश में बाल संरक्षण गृह प्रयागराज में रहे। एक साल बाद दौसा पुलिस ने गुरुवार को दोनों बच्चों को बरामद तो कर लिया, लेकिन घर लौटने से पहले ही पिता का निधन होने से बच्चे फिर से अनाथ हो गए। दोनों बच्चों को दौसा पुलिस ने वहां के बाल संरक्षण गृह में रखा है। दौसा जिले के रतनलाल देवरा का दस वर्षीय बेटा व सात वर्षीय बेटी 29 मई 2024 की शाम लगभग चार बजे घर से लापता हो गए थे। दोनों बच्चों की मां का पहले ही निधन हो गया था।

पिता के मजदूरी पर जाने के बाद दोनों बच्चे अपनी मां को तलाश करते हुए किसी ट्रेन में बैठकर प्रयागराग जंक्शन पहुंच गए। जंक्शन से जीआरपी ने दोनों बच्चों को बाल संरक्षण गृह भेज दिया, लेकिन दोनों अपना पता ठिकाना नहीं बता सके। उधर, छह जून 2024 को पिता रतनलाल देवरा ने दौसा पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। नाबालिग बच्चों की बरामदगी के लिए विशेष टीम का गठन किया गया।

टीम ने विभिन्न वेबसाइट, गैर–सरकारी संगठनों और बाल कल्याण समितियों से संपर्क किया। बच्चों की तलाश जयपुर, अलवर, हरियाणा, दिल्ली और उत्तर प्रदेश सहित कई राज्यों में की गई। अथक प्रयासों व सूचना संकलन के बाद मानव तस्करी विरोधी यूनिट दौसा के प्रभारी दीपक कुमार शर्मा के नेतृत्व में गुरुवार 12 जून को बच्चों को प्रयागराज के बाल संरक्षण गृह से बरामद किया।

लापता होने के एक महीने बाद पिता का निधन

दोनों बच्चों के लापता होने पर दौसा जिला पुलिस ने 20 हजार रुपये का इनाम भी घोषित किया गया था। एएचटीयू दौसा प्रभारी दीपक कुमार शर्मा ने बताया कि दोनों बच्चों के लापता होने के एक महीने बाद ही उनके पिता रतनलाल देवरा की बीमारी व सदमे की वजह से मौत हो गई थी। दोनों बच्चों को बाल संरक्षण गृह दौसा में रखा गया है। नाते–रिश्तेदारों से संपर्क करने का प्रयास किया जा रहा है।

दाखिले से लेकर पीजी तक मिलेगी ऑनलाइन सुविधा

प्रयागराज। इलाहाबाद विश्वविद्यालय (इविवि) में अब परास्नातक (पीजी) में भी दाखिले से लेकर परीक्षा परिणाम तक की सभी सुविधाएं ऑनलाइन मिलने जा रही हैं। इविवि प्रशासन ने पहली बार परास्नातक पाठ्यक्रमों में प्रवेश समर्थ पोर्टल के माध्यम से करने का निर्णय लिया है। इससे पहले विश्वविद्यालय ने स्नातक स्तर (यूजी) के पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए समर्थ पोर्टल लागू कर चुका है। परास्नातक में अब तक एजेंसियों के माध्यम से दाखिला हो रहा था। जिससे छात्र–छात्राओं को कई प्रकार की दिक्कतों का सामना करना पड़ता था। अब इस प्रक्रिया को पूरी तरह ऑनलाइन कर दिया गया है। प्रॉक्टोरियल बोर्ड और परीक्षा विभाग से संबंधित सभी डाटा अब समर्थ पोर्टल पर डिजिटल उपलब्ध रहेगा। इससे छात्रों को पंजीकरण, परीक्षा फार्म, एडमिट कार्ड और परिणाम जैसी सुविधा एक ही पोर्टल पर उपलब्ध होंगी। इविवि की परास्नातक की प्रवेश परीक्षा शुक्रवार को संपन्न हो गई। प्रवेश प्रकोष्ठ से जुड़े सूत्रों की मानें तो जून के आखिरी सप्ताह में प्रवेश परीक्षा का रिजल्ट जारी किया जाएगा। इसी के बाद काउंसिलिंग प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी। इविवि प्रवेश प्रकोष्ठ के निदेशक प्रो. जेके पति ने बताया कि शैक्षिक सत्र 2025–26 में परास्नातक पाठ्यक्रमों के दाखिले के लिए काउंसिलिंग समर्थ पोर्टल के जरिए होगी। तैयारी पूरी कर ली गई है। जल्द ही रिजल्ट जारी कर प्रवेश प्रक्रिया शुरू की जाएगी।

गृहकर, पानी–सीवर का संयुक्त बिल वितरण जुलाई से

प्रयागराज। नगर निगम और जलकल जुलाई से गृहकर, पानी–सीवर का एक बिल भवनस्वामियों को वितरित करेंगे। एकीकृत बिल के सिलसिले में नगर आयुक्त सीलम साई तेजा ने शुक्रवार शाम मुख्य कर निर्धारण अधिकारी पीके द्विवेदी और जलकल के महाप्रबंधक कुमार गौरव के साथ बैठक की। एकीकृत बिल की तैयारी पर पूछताछ के बाद नगर आयुक्त ने एक जुलाई से लोगों को बिल वितरित करने का निर्देश दिया। बिल वितरण के पहले नगर निगम और जलकल के राजस्व कर्मी बिल वितरण का 20 से 30 जून तक ट्रायल करेंगे।

गुजरात विमान हादसे पर नेताओं ने जताया शोक, उच्चस्तरीय जांच की मांग

प्रयागराज। गुजरात के अहमदाबाद में एयर इंडिया के विमान हादसे में हुई जनहानि पर प्रयागराज में राजनीतिक और सामाजिक संगठनों ने गहरा शोक जताया है। इस भीषण हादसे में मारे गए यात्रियों एवं क्रू सदस्यों की मौत पर पूर्व महानगर अध्यक्ष प्रदीप कुमार मिश्र श्अंशुमनश और कांग्रेस नेता विनय पांडेय ने गहरी संवेदना व्यक्त की। प्रदीप कुमार मिश्र श्अंशुमनश ने कहा कि यह दुर्घटना बेहद हृदयविदारक है। मृतकों के परिजनों के प्रति गहरी संवेदना प्रकट करते हुए उन्होंने कहा कि ईश्वर प्रभावित परिवारों को इस असहनीय पीड़ा को सहने की शक्ति प्रदान करें। साथ ही उन्होंने इस हादसे की उच्च स्तरीय जांच की मांग करते हुए कहा कि दुर्घटना के पीछे की वास्तविक वजह सामने आनी चाहिए ताकि भविष्य में ऐसी घटनाएं दोबारा न हों। वहीं, कांग्रेस नेता विनय पांडेय ने हादसे को गंभीर लापरवाही का परिणाम बताते हुए नागरिक उड्डयन मंत्री से इस्तीफे की मांग की। उन्होंने कहा कि देश की विमानन व्यवस्था लगातार सवालों के घेरे में है और अब जवाबदेही तय करना जरूरी है। दोनों नेताओं ने केंद्र सरकार से हादसे में मारे गए लोगों के परिजनों को उचित मुआवजा देने और घायलों का समुचित इलाज सुनिश्चित करने की अपील की है।

अब बताया, नाला साफ करने के लिए नहीं हैं पर्याप्त मजदूर

प्रयागराज। मजदूरों की कमी के चलते शहर के सभी नाले साफ नहीं हो पा रहे हैं। बारिश से पहले सभी नालों को साफ करना है तो अतिरिक्त मजदूरों को लगाना होगा। यह बात नगर निगम के नगर स्वास्थ्य अधिकारी ने समीक्षा बैठक में कही है। मानसून के दस्तक देने की संभावना को देखते हुए महापौर उमेश चंद्र गणेश केसरवानी ने शुक्रवार को नाला सफाई की समीक्षा की। महापौर ने मशीन और मजदूरों से नाला साफ कराने की जानकारी मांगी तो नगर स्वास्थ्य अधिकारी ने मजदूरों की समस्या बताई। नाला सफाई के लिए पर्याप्त मजदूर नहीं हैं, इसकी जानकारी ऐसे समय में दी गई, जब कभी भी बारिश हो

सकती है। सभी से नाला सफाई की रिपोर्ट लेने के बाद महापौर ने मैनुअल नाला सफाई में तेजी लाने के लिए 20–20 अतिरिक्त मजदूर रखने का निर्देश दिया। महापौर ने यह भी कहा है कि जो भी एजेंसी नाला सफाई में विलंब या लापरवाही कर रही है, उनके निविदा के बिल से 25 फीसदी कटौती की जाए। जलकल के महाप्रबंधक को सीवर लाइनों की सफाई कराने का निर्देश दिया गया है। अधिकारी और इंजीनियरों को सबसे पहले जलभराव वाले इलाकों के नालों को युद्ध स्तर पर साफ कराने के लिए कहा गया। बैठक में अपर नगर आयुक्त, मुख्य अभियंता, नगर स्वास्थ्य अधिकारी, महाप्रबंधक और जलकल के सभी जोनल अधिकारी उपस्थित रहे।

विमान हादसे में जान गंवाने वालों को दी श्रद्धांजलि

प्रयागराज। प्रयाग धर्म संघ ने शुक्रवार को त्रिवेणी बांध पर बैठक कर अहमदाबाद में हुए विमान दुर्घटना में यात्रियों की असमायिक मौत पर शोक जताया। तीर्थ पुरोहितों ने दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की। शोकसभा में सुभाष पांडेय, राजेंद्र पालीवाल, अजय मिश्र अज्जू, निमघ्ल शर्मा, सिद्धार्थ पांडेय, उपेंद्र शर्मा, अनुज तिवारी, नरेंद्र शर्मा, सुधीर शर्मा, राम बिहारी शुक्ला, स्वप्निल शर्मा, आदित्य शर्मा, हर्षित पालीवाल आदि मौजूद रहे।

समाजवादी पार्टी ने अहमदाबाद प्लेन क्रैश मृतकों को दी श्रद्धांजलि

-मासिक बैठक में मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की गई

मुजफ्फरनगर। अहमदाबाद में देश को स्तब्ध करने वाली प्लेन क्रेश घटना में 300 से अधिक मृतकों के प्रति समाजवादी पार्टी राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव द्वारा गहरी संवेदना के साथ शोक व्यक्त करते हुए 3 दिन तक सभी कार्यक्रम रद्द करने के संदेश के बाद समाजवादी पार्टी की पूर्व से तय मासिक बैठक में केवल मृतकों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। समाजवादी पार्टी जिलाध्यक्ष ज़िया चौधरी एडवोकेट चरथावल से सपा विधायक पंकज मलिक सपा राष्ट्रीय सचिव राकेश शर्मा ने अहमदाबाद प्लेन क्रेश में मृतकों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि सभी देशवासी 300 से अधिक मृतकों से शोक में है। उन्होंने मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए उनको इस असहनीय दुख को सहने की ईश्वर से शक्ति देने की प्रार्थना की। समाजवादी पार्टी के सभी पदाधिकारियों कार्यकर्ताओं ने इस दुखद घटना पर 2 मिनट का मौन रखकर शोक व्यक्त किया। श्रद्धांजलि सभा में सैकड़ों सपा नेता मौजूद रहे।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस प्रोटोकॉल अभ्यास शिविर में नित नए योग साधकों का हो रहा आगमन

प्रतापगढ़। पतंजलि योगपीठ हरिद्वार के फ्रंटल संगठनों पतंजलि योग समिति ,भारत स्वाभिमान ,युवा भारत, महिला पतंजलि योग समिति व किसान प्रतापगढ़ द्वारा शहर के शहीद उद्यान में संयुक्त रूप से अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस प्रोटोकाल की तैयारी हो रही है 21,जून योग दिवस के लिए शहर के शहीद उद्यान में प्रतिदिन प्रातः 5 बजे से लेकर 7 बजे तक शिविर लगाकर साधकों को योगाभ्यास कराया जा रहा है योग

प्रशिक्षक यजुवेन्द्र जी और प्रवीण जी पूरे मनोयोग से साधकों को योग की विभिन्न मुद्राएँ सिखा रहे हैं। पतंजलि योग समिति के जिला प्रभारी गोविंद जी व भारत स्वाभिमान के जिला प्रभारी भूपेंद्र जी प्रतिदिन पूरे समय उपस्थित रहकर योग शिविर का सफल संचालन कर रहे हैं आज योग शिविर के पश्चात शहीद उद्यान में मार्निंग वॉक कर रहे शहरियों से बात करते हुए युवा भारत संरक्षक दीपक जी ने उन्हें संकोच त्याग कर योग शिविर में आने हेतु आमंत्रित किया आज जिन योग साधकों की शहीद उद्यान में उपस्थिति रही उनमें धीरज जी –संगठन मंत्री अंजनी जी सह कार्यालय प्रभारी राजकुमार जी अभिराज सिंह ,गोविन्द जी, भूपेंद्र जी, दीपक जी, मीत जी, यजुवेन्द्र जी,संतोष जी, राजकुमार जी,अंजनी जी, आदित्य मेजर जी, सुशील जी (कीर्ति एक्सरे), आशीष जी, बाल योगी –स्वस्तिक, आराध्या नैतिक, आदर्श सात्विक जी आदि रहे।

हथियार से लैस दबंगों ने युवक को पीटा, घटना सीसीटीवी में कैद

लखनऊ, (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ के सहादतगंज इलाके में शुक्रवार देर रात हथियार से लैस 15 से ज्यादा हमलावरों ने एक युवक पर हमला कर दिया। युवक के गंभीर के चोट आई है। पीड़ित ने थाने में तहरीर दी है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। महबूबगंज मोहम्मदिया मस्जिद निवासी शाहिद पुत्र सलीम ने बताया कि शुक्रवार–शनिवार की बीच रात करीब 1.30 बजे इलाके में रहने वाले राजा, फरदीन, दाऊद, गुड्डू, शाहमान व अन्य 15–20 लड़कों ने उन पर हमला कर दिया। सभी आरोपी तलवार व लाठी डंडे से लैस थे। बीच बचाव करने आए भाई रहीम और नईम को भी गंभीर चोट आई। आरोपियों ने घर में मौजूद महिलाओंस से भी मारपीट की। पूरी घटना के घर के पास लगे सीसीटीवी में कैद हो गई। जिसमें कई लड़के झुंड में आते हुए दिखते हैं। इसके बाद एक लड़के पर हमला कर देते हैं। लाठी डंडे से बुरी तरह पीटत हैं। तभी परिवार के अन्य लोग आ जाते हैं, तो लड़के उनके साथ भी मारपीट करते हैं। भीड़ जुटता देख आरोपी भाग निकलते हैं। पीड़िता ने सहादतगंज थाने में तहरीर दी है।

पड़ोसी दंपती से परिवार को जान का खतरा, महिला ने की मारपीट

लखनऊ, (संवाददाता)। राजधानी के बिजनौर स्थित डिफेंस कॉलोनी में एक परिवार पड़ोसी दंपती की धमकियों से परेशान है। शिव शंकर पाठक ने बिजनौर थाने में अपने पड़ोसी अरविंद यादव और उनकी पत्नी नीलम यादव के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। घटना 12 जून की शाम 6रू15 बजे की है। शिव शंकर जब अपनी कार का पंचर ठीक कर रहे थे, तब नीलम यादव ने उन पर हमला कर दिया। उन्होंने अभद्र भाषा का प्रयोग किया और जान से मारने की धमकी दी। पीड़ित की पत्नी के विरोध करने पर उन्हें भी धमकाया गया। पीड़ित का कहना है कि पिछले 6 महीनों से नीलम यादव उनके घर पर पत्थर फेंक रही हैं। वह उनकी पत्नी और बेटी को आग लगाकर मारने की धमकी दे रही हैं। इससे पहले 12 मार्च 2024 को अरविंद यादव के खिलाफ छेड़खानी और धमकी की एफआईआर दर्ज कराई गई थी। पीड़ित परिवार ने पुलिस उपायुक्त दक्षिणी को भी शिकायत की थी। कुछ समय शांति रही, लेकिन फिर से परेशानी शुरू हो गई। पीड़ित का आरोप है कि इस पूरे मामले के पीछे अरविंद यादव का हाथ है।

मंसूरी समाज के मेधावी छात्रों और सामाजिक शख्सियतों का 29 जून को होगा सम्मान

लखनऊ, (संवाददाता)। जमीअतुल मंसूर उत्तर प्रदेश इकाई की ओर से मंसूरी समाज के मेधावी छात्र–छात्राओं और समाज की प्रमुख हस्तियों के सम्मान हेतु समारोह का आयोजन 29 जून 2025 को किया जाएगा। यह आयोजन लखनऊ के गौतमबुद्ध मार्ग स्थित होटल मेजबान में सुबह 11 बजे से प्रारंभ होगा। इस बाबत जानकारी देते हुए संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व राज्यमंत्री जावेद इकबाल मंसूरी तथा उत्तर प्रदेश अध्यक्ष हाजी रबीउल्लाह मंसूरी ने बताया कि कार्यक्रम में मंसूरी समाज के उन छात्र–छात्राओं को सम्मानित किया जाएगा जिन्होंने हालिया परीक्षाओं में 70 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किए हैं।

यूं फ़ित्नों के तआकुब में रहना अच्छी बात नहीं

-साहित्यक गोष्ठी में कहानीकार अहमद हसनैन रिज़वी 'एक फर्लांग लम्बी सड़क' सुना समाज को आईना दिखाया

-करैली स्थित तलत महमूद के आवास पर आयोजित हुई साहित्यक गोष्ठी

प्रयागराज। हिंदी और उर्दू भाषा की एक साझा गोष्ठी वरिष्ठ कलाकार तलत महमूद के करैली स्थित आवास पर आयोजित की गई। गोष्ठी में नावेल निगार व पूर्व प्रधानाचार्य अहमद हसनैन रिज़वी ने अपनी कहानी –श्एक फर्लांग लम्बी सड़कश्– सुनाया तो शायर और कवियों ने हिंदी और उर्दू में खूबसूरत कलाम पेश किए। महफ़िल की सदारत लेखक डॉ. रामलखन चौरसिया, मेहमान–ए–खुसूसी कलकत्ता से आए उर्दू अकादमी के पूर्व सदस्य ख़्वाजा अहमद हुसैन, विशिष्ट अतिथियों में नावेल निगार अहमद हसनैन रिज़वी एवं तश्ना कानपुरी रहे।

मेहमान–ए–खुसूसी ख़्वाजा अहमद हुसैन ने कहानी की जमकर तारीफ़ किया। कहा, श्सड़क अपनी छाती पर चलने वालों से पूछती है कि वे इतने संगदिल क्यों हैं। उद्देश्य को प्रतीकात्मक ढंग से प्रस्तुत किया गया है। सदारत कर रहे डॉ रामलखन चौरसिया ने कहा कहानी भावपूर्ण है और यह आईने की तरह दो वर्गों की तस्वीर पेश करती है।

निज़ामत कर रहे तश्ना कानपुरी ने कहा श्कहानी में किरदारों का बहुत अच्छे से जिक्र किया है और अपना ग़ज़ल सुना –श्अज़्म से मेरे तुम न टकराओ, गर्म पानी से घर नहीं चलतेश्– खूब वाहवाही लूटी।

शायर तलत महमूद (बटोही) ने कलाम –श्यूं फ़ित्नों के तआकुब में रहना अच्छी बात नहीं, अगर हो आदमी तो आदमियत की बात करोश।– की तारीफ हुई। सदारत कर रहे डॉ. राम लखन चौरसिया ने दोहा –श्दाने दाने पर यहाँ बिछा हुआ है जाल, फंसे परिंदे फंद में, भूखा रहा सवाल।श्– पढ़ तालियां बटोरी। गोष्ठी में जफर अब्बास, अज़हर महमूद, अबुल हसन, अबजत हुसैन, व अहमद अरहम आदि मौजूद रहे।

दलित–मुस्लिम एकता मंच की मीटिंग का आयोजन

मुजफ्फरनगर। दलित–मुस्लिम एकता मंच की मीटिंग का आयोजन न्या जू पुरा ,जनपद मुजफ्फरनगर हुआ जिसकी अध्यक्षता मास्टर सत्य पाल सिंह तथा संचालन मोहम्मद सलीम सैलानी, जिलाध्यक्ष मुजफ्फरनगर ने किया तथा मीटिंग में मुख्य अतिथि के रूप में दलित–मुस्लिम एकता मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ सुरेन्द्र कुमार बौद्ध उपस्थित हुए।

मीटिंग को सम्बोधित करते हुए दलित–मुस्लिम एकता मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ सुरेन्द्र कुमार बौद्ध ने गुजरात के अहमदाबाद में हुए प्लेन क्रैश के दौरान हुई दर्दनाक मौतों पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए मरने वालों की आत्मा की शांति के लिए और इस हादसे में घायल हुए लोगों को जल्दी से ठीक करने की प्रार्थना भगवान जी की

श्री बौद्ध ने कहा है कि दलित–मुस्लिम एकता मंच के सभी पदाधिकारियों एंव कार्यकर्ताओं को निर्देशित किया जाता है कि अपने–अपने जनपदों मे दलितों, शोषितों,पिछड़ों, अल्पसंख्यकों, और समाज के अन्य गरीब वर्गों उत्थान के लिए ष्चलो गाँव की ओर, दलित–मुस्लिम एकता भाईचारा जन –सम्पर्क अभियान चला कर उनके अधिकारों के लिए उनको जागरूक करने ,और उनको दलित–मुस्लिम एकता भाईचारा कायम करने

के लिए प्रेरित करने का काम करना है क्योंकि आज पूरे देश के अन्दर प्रतिदिन दलित–मुस्लिम समुदाय के लोगों के साथ सब से उत्पीड़न में वृद्धि हो रही है और दलित–मुस्लिम समुदाय की जितनी बड़ी देश में इनकी जनसंख्या है उतना ही हत्था चार बढ़ रहा है इसलिए अब समय की पुकार को देखते हुए अब दलित–मुस्लिम एकता मंच का प्रत्येक कार्यकर्ता अपने –अपने क्षेत्रों में दलित–मुस्लिम एकता भाईचारा कायम करने के लिए डोर–टू–डोर जाकर, ष्चलो गाँव की ओर, दलित–मुस्लिम एकता भाईचारा जन–सम्पर्क अभियान को सफल बनाने के लिए जी–जान मेहनत करे दलित–मुस्लिम एकता मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ सुरेन्द्र कुमार बौद्ध ने मीटिंग में उपस्थित मास्टर सत्य पाल सिंह को जिला प्रभारी एंव आबिद अली को मुजफ्फरनगर का नगराध्यक्ष पद पर नियुक्त किया गया है और राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ सुरेन्द्र कुमार बौद्ध की मौजूदगी में जनपद मुजफ्फरनगर के जिलाध्यक्ष मोहम्मद सलीम सैलानी ने भी जिला कमेटी विस्तार करते हुए काफी संख्या में नियुक्तियां कर करके नवनियुक्त पदाधिकारियों को नियुक्ति पत्र वितरण किए तथा मीटिंग में उपस्थित परमानन्द को जिला प्रधान महासचिव, सचिन कुमार जिला सचिव, डॉ राजबीर सिंह को जिला उपाध्यक्ष तथा मोहम्मद शकील, शहजाद सैफी, एहसान, सादर अली, दिलशाद, अमरू दीन शाह, अयूब इन सभी को भी जिला कमेटी में महत्त्वपूर्ण पदों पर नियुक्त किया गया है और मीटिंग में काफी संख्या में लोगों की उपस्थिति रही।

कौशांबी पाल बेटी के बलात्कारियों का साथ देने वाले उप मुख्यमंत्री को हटाया जाएः रामपाल सिंह पाल

मुजफ्फरनगर। आज भारतीय अति पिछड़ा वर्ग संघर्ष मोर्चा के जिला अध्यक्ष रामपाल सिंह पाल के नेतृत्व में दर्जनों पदाधिकारी ने कौशांबी में पाल समाज की नाबालिक बेटी के साथ दबंगों द्वारा किए गए बलात्कार हुए परिवार पर अत्याचार के विरोध में जिला अधिकारी कार्यालय पर प्रदर्शन कर मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन जिलाधिकारी की गैरहाजरी में प्रशासनिक अधिकारी को दिया अधिकारी को ज्ञापन दिएस ज्ञापन में जिला अध्यक्ष रामपाल सिंह पाल ने बताया है कि कौशांबी के गांव लोहदा में पाल समाज की मासूम बेटी के साथ दबंगों द्वारा बलात्कार किया गया था वही रेप करने वाले युवक के पिता ने लोक लाज के डर से जहर खाकर आत्महत्या कर ली थी उसके बाद पुलिस ने सत्ता के एक उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक के दबाव में पीड़ित परिवार के लोगों को जेल भेजने का काम किया व पीड़ित परिवार को यातनाएं दी जा रही है जिससे अति पिछड़ा वर्ग में भारी रोष है सउन्होंने मांग की है कि सरकार द्वारा पूरे मामले की उच्च स्तरीय जांच कर पीड़ित परिवार के जेल में बंद लोगों को रिहा किया जाए वहीं दोषियों पर सख्त कार्रवाई होस पीड़ित परिवार को एक करोड रुपए आर्थिक मदद के रूप में दिया जाएस वहीं पीड़ित परिवार को सुरक्षा दी जाए और जातिवाद फैलाने वाले व बलात्कारियों का साथ देने वाले उप मुख्यमंत्री को हटाया जाए नहीं तो राष्ट्रीय अध्यक्ष मोहन प्रजापति के नेतृत्व में प्रदेश भर में बड़ा आंदोलन होगा,इस दौरान क्षेत्रीय अध्यक्ष ब्रजवीर धीमान,पूर्व जिला अध्यक्ष पवन पाल, युवा जिला अध्यक्ष गौतम सैन, वरिष्ठ नेता राकेश वालिया,वरिष्ठ नेता रामनिवास प्रजापति एडवोकेट, इंद्रमल प्रजापति, प्रभारी सुखपाल कश्यप,भोला कश्यप,वरिष्ठ नेता विजयपाल, गौरव पाल, इंद्रमल प्रजापति,विनोद पाल, सुंदर प्रजापति ,महासचिव सचिन प्रजापति आदि मौजूद रहे।

10 करोड़ की साइबर ठगी में 15 आरोपी गिरफ्तार, चीन के जालसाजों से जुड़े हैं तार

लखनऊ, (संवाददाता)। रेड्डी अन्ना एप के जरिये करोड़ों की ठगी करने वाले गिरोह के तार चीन के साइबर जालसाजों से जुड़े हैं। पुलिस की प्रारंभिक छानबीन में इसका खुलासा हुआ है। पुलिस सूत्रों का कहना है कि गिरोह के सरगना गन्नी की तलाश की जा रही है। सरगना के पकड़े जाने के बाद कई अहम राज उजागर होंगे। डीसीपी क्राइम कमलेश दीक्षित के मुताबिक गिरफ्तार किए गए 15 आरोपियों में सर्वाधिक बिहार के हैं। वहीं, एक मध्य प्रदेश का रहने वाला है। आरोपियों से जुड़े लोगों के बारे में जानकारी की जा रही है। सूत्रों के मुताबिक गिरोह से जुड़े जालसाज अभी भी मध्य प्रदेश और बिहार में सक्रिय हैं। अलग–अलग शहरों में गिरोह दफ्तर खोलकर फर्जीवाड़ा कर रहा है। इसके पीछे चीन के साइबर अपराधियों का हाथ है, जो आर्थिक व्यवस्था को चोट पहुंचाना चाहते हैं। बताया जा रहा है कि आरोपी कई चाइनीज एप का भी इस्तेमाल करते थे। बताया जा रहा है कि सरगना गन्नी दुबई में है।

आम 'नीलम' है सच्चा

(कुण्डलिया)

मधुर रसीला गूदेदार, स्वर्णिम पीली खाल।
पाचन में करते मदद, बने कब्ज़ का काल।
बने कब्ज़ का काल,सुगंधित फल है अच्छा।
खाकर कहते लोग, आम नीलम है सच्चा।
सुन लो कहें प्रदीप,आम यह नहीं नसीला।
लाजवाब है स्वाद, सुवासित मधुर रसीला।.

तमिलनाडु कर्नाटका, आन्ध्र प्रदेश का आम।
दुनिया ने जिसको दिया, श्नीलम' प्यारा नाम।
श्नीलम' प्यारा नाम,नुकीली जिसकी काया।
पकें सितम्बर माह, किसानों की बन छाया।
सुन लो कहें प्रदीप, आम है यहअति सुस्वादु।
जिसकी अपनी धूम, देखता है तमिलनाडु।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

खानम आर्ट गैलरी की गैलरी कलेक्शन कला प्रदर्शनी का समापन धूमधाम से

प्रयागराज। खानम आर्ट गैलरी की गैलरी कलेक्शन कला प्रदर्शनी अत्यधिक सफल रही है, जिसमें 10 चित्रों की बिक्री हुई है, जिनमें 6 आश्चर्यजनक सुलेख और 4 अद्भुत प्रकृति चित्र शामिल हैं। इनमें से 4 चित्र अमेरिका जा रहे हैं । यह प्रदर्शनी, जिसमें चित्रों पर 40: की छूट थी, प्रयागवासियों के बीच बहुत लोकप्रिय रही है, जो अपने घरों को सुंदर कला से सजाने के लिए गैलरी का दौरा कर रहे हैं। खानम आर्ट गैलरी का मिशन हर घर तक कला पहुंचाना, कलाकारों को एक मंच प्रदान करना और उनकी रचनात्मकता को सम्मानित करना है। इसकी निदेशक डॉ. ज़ाहेदा खानम के अथक प्रयासों के तहत, गैलरी लगातार चित्रों की बिक्री कर रही है और विभिन्न कार्यक्रमों, प्रतियोगिताओं और कार्यशालाओं का आयोजन कर रही है।

प्रदर्शनी का समापन समारोह और पुरस्कार वितरण 15 जून 2025 को शाम 5रू00 बजे खानम आर्ट गैलरी में होगा। समारोह में मुख्य अतिथि रवींद्र कुमार मांदड़, जिला मजिस्ट्रेट प्रयागराज, विशिष्ट अतिथियों में ब्रिगेडियर अहमद अली, पद्मश्री श्याम बिहारी अग्रवाल और नसीहा उस्मानी, प्रिंसिपल, हमीदिया डिग्री कॉलेज शामिल होंगे।

कार्यक्रम में विभिन्न प्रतियोगिताओं और कार्यशालाओं में भाग लेने वाले प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र और पदक वितरित किए जाएंगे, जिनमें समर कैंप, लोक कला प्रतियोगिता और अरबी सुलेख कार्यशाला शामिल हैं, इन प्रतियोगिताओं के निर्णायक मंडल में रहे राज्य ललित कला अकादमी संस्कृति विभाग के वरिष्ठ कलाकार रवीन्द्र कुशवाहा, वरिष्ठ कलाकार तलत महमूद, कैलीग्राफी कलाकार मूसाब आदिल एवं डॉ जाहेदा खानम को भी मंच पर डीएम रवीन्द्र कुमार मांदड़ सम्मानित करेंगे।

यूपी के स्कूलों में बढ़ाई गई समर वेकेशन

अब स्कूलों में ग्रीष्मकालीन अवकाश 30 जून तक

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश में इन दिनों भीषण गर्मी पड़ रही है। पूरा प्रदेश लू की चपेट में है और लोगों का गर्मी से बुरा है। ऐसे में बच्चों के स्कूलों की छुट्टियां भी बढ़ा दी गई हैं। अब स्कूलों में ग्रीष्मकालीन अवकाश 30 जून तक रहेगा। इतनी भीषण गर्मी में बच्चों का स्कूल जाना मुश्किल है और बच्चें बीमार पड़ सकते है। यह जानकारी बेसिक शिक्षा परिषद् की ओर से दी गई है। इस संदर्भ में एक पत्र भी जारी किया गया है। हालांकि इस दौरान सिर्फ बच्चों की ही छुट्टी रहेगी। शिक्षकों को अपने समय पर स्कूल में हाजिरी देनी होगी।

सम्पादकीय.....

हृदय विदारक हादसा

गुजरात स्थित अहमदाबाद हवाई अड्डे के पास एयर इंडिया के विमान की भयावह दुर्घटना ने पूरे देश को दुख और गम में डुबो दिया। हाल के वर्षों में हुई यह बड़ी दुखद दुर्घटना हवाई यात्रा से जुड़े जोखिमों पर नये सिरे से गंभीर मंथन की जरूरत को बताती है। निश्चित रूप से यह हादसा नागरिक उड्डयन के लिये भी एक बड़ा झटका है, जो भारतीय अर्थव्यवस्था के सबसे तेजी से बढ़ते क्षेत्रों में शामिल है। आज भारत दुनिया के अग्रणी विमानन बाजारों में शुमार है। विडंबना यह है कि अभी दो महीने पहले ही नई दिल्ली में विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो यानी एएआईबी में अत्याधुनिक डिजिटल फ्लाइट डेटा रिकॉर्डर और कॉकपिट वॉयस रिकॉर्डर प्रयोगशाला का उद्घाटन किया गया था। करीब नौ करोड़ रुपये की लागत से बनी इस प्रयोगशाला को केंद्र सरकार ने विमानन सुरक्षा बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया था। जिसका मकसद हवाई दुर्घटनाओं की पहचान करना और जवाबदेही सुनिश्चित करना था। ताकि सुरक्षा उपायों को लेकर जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिये तंत्र में सुधार किया जा सके। अब विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो को गुरुवार को बोइंग 787 ड्रीमलाइनर के दुर्घटनाग्रस्त होने की जांच का काम सौंपा गया है। एएआईबी के पास अब यह पता लगाने की जिम्मेदारी होगी कि गुरुवार को हुई दुर्घटना के असल कारण क्या थे। बल्कि निकट भविष्य में हवाई यात्राओं को सुरक्षित बनाने के लिए भी सुझाव दिए जा सकेंगे। इसके अंतर्गत ब्यूरो बोइंग के सुरक्षा रिकॉर्ड और परिचालन निरीक्षण की भी गहराई से जांच करेगा। निश्चित रूप से परिचालन प्रक्रिया कड़ी जांच के दायरे में होगी। उल्लेखनीय है कि तकनीकी खामियों के चलते बोइंग के कई अन्य 787 ड्रीमलाइनरों की सुरक्षा प्रक्रिया को लेकर सवाल उठाये जाते रहे हैं। हाल के वर्षों में कई व्हिसल ब्लोअर्स ने 787 ड्रीमलाइनर के सुरक्षा उपायों को लेकर गंभीर चिंताए जताई थीं। जिसके बाद यूएस फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन यानी एफएए ने ड्रीमलाइनर विमान के उत्पादन और असेंबली प्रक्रियाओं की गहन जांच की थी। उल्लेखनीय है कि बोइंग की सुविधाओं के एफएए द्वारा ऑडिट करने पर निर्माण की प्रक्रिया में अनियमितताओं और कंपनी की सुरक्षा संस्कृति में खामियों का पता चला था। बल्कि व्हिसल ब्लोअर्स ने तो यहां तक भी आरोप लगाए थे कि बोइंग की कार्यप्रणाली में खामियों को उजागर करने के लिए उन्हें बदले की कार्रवाई का सामना भी करना पड़ा था। उल्लेखनीय है कि रिपब्लिक एयरवेज के सीईओ ब्रायन बेडफोर्ड, जिन्हें अमेरिकी राष्ट्रपति द्वारा एफएए का प्रमुख नियुक्त किया गया है, ने बुधवार को कहा था कि वर्ष 2018 और 2019 में दो बोइंग 737 मैक्स दुर्घटनाओं से जुड़ी एक प्रमुख सुरक्षा प्रणाली की विफलता के बारे में कुछ वास्तविक व गंभीर सबक सीखे गए हैं, जिसमें 346 लोगों की मृत्यु हो गई थी। निश्चित रूप से अहमदाबाद विमान हादसे के बाद भारतीय अधिकारियों को अपने अमेरिकी समकक्षों के साथ गंभीर विमर्श करना चाहिए। उससे मिले इनपुट गुजरात दुर्घटना की गहन जांच करने में सहायक साबित हो सकते हैं। बहरहाल, अहमदाबाद से लंदन जा रही फ्लाइट एआई 171 के हादसे ने सैकड़ों परिवारों को गहरे जख्म दे दिए हैं। हादसे में दो सौ से अधिक लोगों के मरने की पुष्टि हो चुकी है, वहीं एक व्यक्ति के जीवित बचने को कुदरत का करिश्मा माना जा रहा है। दूसरी ओर रिहाइशी इलाके में विमान के गिरने से हुई क्षति भी दुखद है। पुलिस द्वारा चालीस लोगों के अस्पताल में उपचाराधीन होने की बात भी कही जा रही है। कहना कठिन है कि यह कैसी स्थिति है कि एक मेडिकल कालेज के पास हुई इस दुर्घटना में घायलों को तुरंत उपचार देना संभव हो पाया है। उल्लेखनीय है कि विमान मेडिकल कालेज के छात्रों के मैस पर गिरा। उस समय छात्र लंच कर रहे थे। जिसमें कई छात्र भी घायल हुए हैं। जिनमें कई की हालत गंभीर है। निश्चय ही यह विमान हादसा हवाई यात्राओं से जुड़ी चाक–चौबंद सुरक्षा व्यवस्था की जरूरत को बताता है। हवाई हादसे के कारणों की हकीकत जांच के बाद सामने आएगी लेकिन यदि हवाई यात्रा की सुरक्षा व्यवस्था में कोई चूक हुई है, तो उसकी जवाबदेही तय करने की जरूरत है।

इस बार शीतल-पेय बाजार में एक नया खिलाड़ी

अरविन्द मोहन

जून में कायदे से गर्मी की, लू की, लू से मरने वालों की और गर्मी की बीमारियों की चर्चा होनी चाहिए, एसी–कूलर की बिक्री की चर्चा होनी चाहिए, पर हो रही है आंधी–तूफान –बारिश और जल–जमाव की। इससे भी कम चर्चा है, गर्मी में सर्दी के नाम पर आग लगाने वाली कोल्ड–ड्रिंक कंपनियों की लड़ाई की। गर्मी के साथ इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) का सीजन भी बीत गया और जिस क्रिकेट और आईपीएल को बहाना बनाकर पेप्सी और कोक महाभारत सी जंग लड़ा करते थे, उस ट्राफी का प्रायोजक बनने की लड़ाई लड़ते थे, वह न होने पर एक आभासी युद्ध लड़ते थे, विपणन और विज्ञापन जगत अपनी प्रतिभा को इस सीजन के लिए बचाकर रखता था, वह सब इस सीजन में कहीं नहीं दिख रहा। एक खामोशी है, जबकि शीतल पेय बाजार तो झाग में, सनसनी में ही ज्यादा भरोसा करता है। उसके बिना न तो चार पैसे की चीज पंद्रह और बीस रुपए में बेची जा सकती है, न एक गैर–जरूरी और एक हद तक नुकसानदेह पेय को हम–आप शान से पी सकते हैं। इसी के सहारे दो बड़ी बहुराष्ट्रीय कंपनियां हजारों करोड़ का कारोबार कर चुकी हैं और सारे देसी ब्रांड लगभग समाप्त कर चुकी हैं। शीतल–पेय गांव–देहात में भी मिलता है, फैशन की चीज बन गया है, पर इस बार की शांति एक और कारण से ज्यादा चुभने वाली है। इस बार शीतल–पेय बाजार में एक नया खिलाड़ी उतरा है जिसने दमदार दखल दी है। बाजार में आने के साथ ही उसने एक बड़े हिस्से पर कब्जा किया है, स्थापित ब्रांडों को झकझोरा है, वितरकों को निहाल कर दिया है। ग्राहक भी पुरानी कीमत में पेय की मात्रा लगभग दोगुनी पाकर खुश हैं और लग रहा है कि देश का शीतल पेय बाजार बदलने जा रहा है। दशकों पहले मर से गए एक ब्रांड, श्कैम्पा कोलाश को श्पार्ले ड्रिंक्सश वाले चौहान से मामूली कीमत पर खरीदकर मुकेश अंबानी और श्रिलायंसश ने एक नए कारोबार में पैर बढ़ाए हैं और वहां के सारे समीकरण बदल दिए है। प्रतिद्वंद्वी ब्रांडों ने कीमत कम की है, मात्रा बढ़ाने की कोशिश भी हो रही है, लेकिन ग्राहक और नीचे तक के वितरक दूसरे ब्रांड से पट जाएं तो काम आसान नहीं रहता। पेप्सी और कोक की तरफ से अभी जवाबी हमला नहीं हुआ है, लेकिन बाजार तो बदलता दिखता है। जानकार मानते हैं कि कैम्पा का शेयर दहाई में आ चुका है। जिस आईपीएल के प्रसारण में कोक और पेप्सी तथा भारत में बिकने वाले उनके सबसे लोकप्रिय ब्रांड थम्सअप के नए–नए विज्ञापनों की बाढ़ रहती थी, एक–दूसरे को गुलाब जामुन और घटिया स्वाद वाला बताया जाता था, जिस लाल को अपना और नीले को दुश्मन बताया जाता था, वैसा इस बार कुछ नहीं है। दक्षिण के एक हीरो का बहुत औसत किस्म का विज्ञापन ही बार–बार दोहराया जा रहा था और सूचना दे रहा था कि श्कोक–पेप्सीश दौर के पहले जिस कैम्पा का जलवा था, वह वापस लौट आया है। पेप्सी ने पार्ले ड्रिंक्स से काफी कुछ खरीदा था, लेकिन इन ब्रांडों को मरने के लिए छोड़ दिया था। पुराने मालिक बिसलेरी में ऐसे लग गए कि इन ब्रांडों को सचमुच भूल गए। उनको कोक–पेप्सी की लड़ाई में गुंजाइश नहीं लगी। अब रिलायंस ने नए क्षेत्र में उतरने के फैसले के साथ इस पुराने ब्रांड पर दांव लगाया है। जानकार मानते हैं कि रिलायंस बड़े स्तर के व्यापार, ग्राहक और वितरक को ज्यादा–से–ज्यादा लाभ देने की रणनीति से धमका रहा है। सांसदों और सरकार के सहारे कायदे–कानून बदलवाना, बाजार और विज्ञापन जगत में मारकाट की पेप्सी और कोक वाली रणनीति उसने नहीं अपनाई है। अपने पांव जमाने के लिए सरकार पर दबाव बनाने तथा बड़ी संख्या में सांसद जुटाकर अपना कानून बनवाने वाली पेप्सी के लिए यह भी कहा जाता है कि उसने एक आयात के बदले तीन निर्यात वाला प्रलोभनकारी दांव भी धोखे वाला खेल किया और जाने किस प्रभाव में समाजवादी कहलाने वाले मंत्री शरद यादव ने उस करार पर दस्तखत कर दिए। उस करार में यह नहीं लिखा था कि–शीतलपेय का कन्संट्रेट जितनी मात्रा में आयात होगा, निर्यात भी शीतलपेय का ही होगा। हमने देखा कि पेप्सी ने किस तरह छोटे निर्यातकों को थोड़े ज्यादा पैसे देकर उनके बासमती, चाय, झींगा, मसाले और इसी तरह की चीजों की खेप पर अपना मोहरा लगाकर, अपने निर्यात का कोटा पूरा किया। उसने एक पैसे का भी शीतलपेय निर्यात नहीं किया।कानून बदलते ही श्कोकश भी पधार गया तथा स्वदेशी की ठेकेदारी करने वाले रमेश चौहान ने एक मोटा पैसा लिया और ज्यादातर धंधों से हाथ खींच लिया। उसके बाद काफी कुछ हुआ, लेकिन एक अजीब बात हुई कि थम्सअप ही बाजार–लीडर बना रहा। यह एक अर्थ में शीतलपेय बाजार में देसी स्वाद के बने रहने का प्रमाण था। संभव है मुकेश अंबानी और उनकी टोली को यह चीज कैम्पा के तीनों ब्रांड उतारने की बड़ी वजह लगी हो, पर उनसे भी पहले यह बात पेप्सी जैसी कंपनी को समझ आ गई थी–लस्सी, नींबू पानी और सत्तू का शरबत पीने वालों से भी खतरा देखकर उसने पहले साल से ही आलू, टमाटर, कीनू अमरूद, अन्नानास वगैरह की खेती और स्नैक्स के कारोबार में हाथ लगाया। नमकीन, भुजिया और चिप्स का धंधा भी जोर–शोर से शुरू किया। देखा–देखी हल्दी राम और बीकानेर वाला टाइप स्थानीय स्नैक–निर्माताओं ने भी बाजार में प्रवेश किया और अब पेप्सी वहां आराम की स्थिति में है। पिछले साल का उसका मुनाफा 883 करोड़ का रहा था, जबकि उसने शीतल पेय के धंधे से लगभग हाथ खींच लिया है। वह अब सिर्फ कन्संट्रेट आयात करके अपने फ्रेंचाईजी वालों को देता है।

वाककला जीवन की प्रगति के मोड़ में भरती मुस्कान

इंसान कलाओं के भंडार में पारंगत है । वह उपयोग कहां कब किस तरीके से कला को दर्शाता है उसका निखार लाता है यह व्यक्ति का व्यक्तिगत विषय है । इसमें व्यक्ति का व्यक्तित्व साफ झलकता है । कला का रूप प्रत्यक्ष होता है । व्यक्ति अपनी प्रतिभा का परिचय देने में सक्षम संबल होता है । अपने अंदर छुपी कला कब कहां किस रूप में उभारता है यह अपनेआप में पेचीदा प्रश्न है।

यह जरूर है कि अवसर सुअवसर में श्रोता ही कला का निर्णयकारी सहित मूल्यांकन करता है । यकीनन मानिए तालियां की गड़गड़ाहट में वाक कला प्रमाणित करती है कि वक्ता के भावनात्मक विचार श्रोताओं के हर्दयमन में स्पर्श कर गए है । व्यक्ति की प्रतिभा और उसकी कला जब प्रकट होती है तो वह निश्चित चर्चित होती है । यह बयां करती है कि वाक कला में पारंगत है । इंसान वाक कला कौशलता में बोलकर खरा उतरता है। वाक कला इन्सान की सबसे मूल्यवान कलाओं में विशिष्ट व महत्वपूर्ण कला है । वाक कला यानि बोलना, इंसान से इंसान बोलकर लुभाता और सटीक समझा सकता है । अक्सर कई बार वक्ता की शैली अन्तर्मन को स्पर्श कर जाती है । वक्ता के बोलने के रस में वक्त का अंदाजा नहीं रहता है। क्या बोलना और बोलकर आकर्षित करना वाक कला में कौशलता की एक अद्भुत शक्ति है,यह इंसान का एक परिचय है । इंसान वाक कला में नई ऊर्जा पाता है, नई छवि कायम करता है । वाककला में सुंदर सटीक विचारों का त्वरित भाव उदय होता है । बोलने से भावनात्मक विचार नए रूप में उभरते है । इसमें जिज्ञासाओं का हल भी होता है । वाककला में निखार

लाना स्वयं पर निर्भरशील विषय है । इसमें स्वयं को बदलाव करने में कायम होना पड़ता है । वाक कला काफी प्रभावी होती है और इस कला की शक्ति से श्रोता मंत्रमुग्ध होता है वह अधिक सुनने को विवश हो जाता है । इंसान को वाक कला में स्पष्टता से बात रखने में मजबूत स्थिति मिलती है वही होना चाहिए । संक्षिप्त तरीके से मूल बातों को प्रकट करना एक गुण हो , सटीक रूप में तथ्यात्मक तरीके से पेश करना,भावनात्मक अभिव्यक्ति का तरीका समझने लायक हो इसमें श्रोता की इच्छाओं पर खास नजर रखते हुए आवश्यक बातें बोलना आदि पर ध्यान केंद्रित करना है । यह कला संचार में सुधार करती है। भीतरी भावनाओं को उजागर करने में सहायता करती है। इसकी जीत अर्जित करने में स्वयं के भीतर आत्मविश्वास में वृद्धि करने में निसंकोच आगे आना आवश्यक है । संबंधों में सुधार करने में वाक कला उत्तम उपाय है। सम्बन्ध सुधारने में उपयोगी के साथ हमारे तमाम काम को वाक कला से खींच सकते है । उनको आनंद से आसान कर सकते है । हमारे कार्य का प्रभाव वाक कला से महत्वपूर्ण और विश्वसनीय हो जाता है । हमारी वाक कला शैली को अधिकतम उचित उच्च सटीक शब्दों से व्यवहृत किया जाए । किसी भी अंजान स्थान में हमारा प्रभाव वाक कला इतना बढ़ा देती है कि अलग पहचान बढ़ा देती । वाक कला से जुड़ने की आदतों को बनाये रखना अत्यंत लाभकारी है । प्रतिदिन खास बात विषय पर अभ्यास से बहुत सुधार की गुंजाइश बढ़ती है, हमारी सबसे अच्छी आदत सुनने की कला में बेहतरीन सुधार में बल दे । वाक कला में हमेशा ही अपने विचारों को व्यवस्थित ढंग से व्यक्त किया जाए । प्रमुख बात यह है कि भावनात्मक अभिव्यक्ति में काफी अधिक सुधार करना हितकारी है । वाक कला में अपनेआप को प्रभावशाली बनाये रखना आवश्यक है। वाक कला करते समय मन स्थिर होना चाहिए जुबान बिना लड़खड़ाते हुए शुद्ध शब्दों के उच्चारण से सम्बोधन किया जाए। मुझे टोस्ट मास्टर से जुड़े सदस्यों में एक अजीब गुण देखा जो काफी लुभाने लायक था। पदाधिकारी, सदस्य विवेक देवड़ा व अंकित गाड़ोदिया के साथ अन्य युवा युवतियों के द्वारा समय की पाबंदी में बोलने की कला से हतप्रभ रह गया । इसकी शिक्षा समाज में बेरोकटोक नई शिक्षा से प्रेरित प्रोत्सहित ही करती है। इसीलिए युवा युवती वाक कला के प्रति अपने जीवन के विकास की बढ़ती सम्भावनाये त्वरित बढ़ाने में बढ़े।

ललित शर्मा, असम

'मेरे भी पांव भारी है'

घर में खुशी की लहर
दौड़ गई।
जब से खबर आई कि वो
गर्भवती है।
घर का माहौल
बदला बदला सा है।
हर कोई, व्यस्त है
उनके, आव भगत में।
लगा है, उनके साथ,
हर कोई चाहता है
उसका ध्यान रखना।
वो अधिकारी हैं
वो केन्द्र है
स्नेह का, प्रेम का।
वह गर्भवती हैं, भौतिक रूप से
उसने संजोया है
एक अंश को, प्रेमांश को
उसे हक है,वो स्नेह पाएं।
यह सत्य है
जीव से ही
जीव की उत्पत्ति,
सम्भव है
स्त्री ही, एक मात्र
माध्यम है स
इस नव, सृजन का
मगर, उसका क्या
जो, जी रहा है
अपने मानस,
अपने मन– मस्तिष्क में लिए
उस, अंश को,
मगर, उसका क्या
जो जी रहा है
एक एक पल को,
उसके, उस अंश के
रोपड़ से।
उसके, प्रादुरभाव तक के,
अपेक्षित
काल खण्ड को
मगर, उसका क्या
जो जी रहा है।
पल पल
उस सुखद अनुभूति को लिए
तुम्हारे साथ।

अभिषेक केसरवानी रवि
प्रयागराज
मो.7668315287

भारत को चाहिए संदेह से परे एक चुनाव आयोग

डॉ. ज्ञान पाठक

स्वंतंत्रता के बाद से ऐसा कभी नहीं हुआ जब भारत के चुनाव आयोग (ईसीआई) पर लोगों का इतना अविश्वास रहा हो, जितना अब खुलकर व्यक्त किया जा रहा है। ईसीआई को चुनावी लड़ाई में एक तटस्थ अंपायर के रूप में अपना कर्तव्य निभाना चाहिए, लेकिन दुर्भाग्य से कई मौकों पर ऐसा लगा कि यह प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) का ही एक विस्तार है। इस संवैधानिक निकाय की स्वायत्तता को कानूनी साधनों के जरिए सीमित कर दिया गया है। चुनावों के दौरान, यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का पक्ष लेता हुआ देखा गया है, खास तौर पर उनके नफरत भरे भाषणों के मामले में, और चुनाव के बाद, यह चुनावी डेटा को भी ब्लॉक कर रहा है। हरियाणा में चुनाव 5 अक्टूबर 2024 को और महाराष्ट्र में चुनाव नवंबर 2024 में हुए। फिर भी, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी को अब 7–8 महीने की देरी के बाद चुनावी डेटा सौंपने के लिए श्सटीक तारीखश मांगनी पड़ रही है। उन्होंने पूछा, श्मतदाता सूची सौंपने के लिए चुनाव आयोग द्वारा उठाया गया पहला अच्छा कदम है। क्या चुनाव आयोग कृपया सटीक तारीख की घोषणा कर सकता है, जिस तक यह डेटा डिजिटल, मशीन–पठनीय प्रारूप में सौंप दिया जायेगा?श सरकार किस तरह से चुनाव प्रक्रिया में हस्तक्षेप कर रही है और भारतीय चुनाव आयोग पीएमओ की इच्छा के आगे झुक रहा है, यह दिसंबर, 2024 में स्पष्ट हो गया था, जब केंद्रीय कानून मंत्रालय ने 1961 के नियमों के नियम 93 (2) में संशोधन किया था, ताकि सार्वजनिक निरीक्षण के लिए खुले श्कागजातश या दस्तावेजों के प्रकार को प्रतिबंधित किया जा सके। यह मामला भारत के सर्वोच्च न्यायालय में भी गया, जिसमें याचिकाकर्ताओं ने कहा कि चुनाव संचालन (द्वितीय संशोधन) नियम, 2024 नागरिकों की चुनाव संबंधी महत्वपूर्ण दस्तावेजों तक पहुंच को प्रतिबंधित करके संविधान के अनुच्छेद 14, 19 और 21 का उल्लंघन करता है। सरकार ने कहा कि उसे मतदाताओं की गोपनीयता की रक्षा करने की आवश्यकता है। यह स्पष्ट था कि चुनावी डेटा प्रदान न करने के लिए सरकार एक इच्छुक पक्ष थी, और ईसीआई भी डेटा नहीं दे रहा है। सवाल यह है कि डेटा को अवरुद्ध करके ईसीआई और मोदी सरकार क्या छिपाना चाहती है? फिर चुनावी प्रक्रिया में पारदर्शिता कहां है? और जब सरकार और ईसीआई दोनों द्वारा सावधानीपूर्वक अंधकार बनाये रखा जा रहा है, तो कोई भी व्यक्ति चुनावी प्रक्रिया पर कैसे विश्वास कर सकता है? मोदी सरकार की इच्छा के अनुसार, चलने का ईसीआई का यह एकमात्र उदाहरण नहीं है। आइए चुनावी बॉन्ड योजना मामले को याद करें। लोकसभा चुनाव 2024 से कुछ महीने पहले ही मोदी सरकार की चुनावी बॉन्ड योजना को भारत के सर्वोच्च न्यायालय द्वारा अवैध घोषित किये जाने और दानदाताओं और लाभार्थी राजनीतिक दलों का विवरण प्रकाशित करने के लिए चुनाव आयोग को आदेश दिये जाने के बाद भी, चुनाव आयोग ने सर्वोच्च न्यायालय में कुछ तर्क देकर इसे प्रकाशित न करने की पूरी कोशिश की थी। पर सर्वोच्च न्यायालय के निर्देश के बाद चुनाव आयोग को डेटा प्रकाशित करना पड़ा। चुनाव आयोग को चुनावी बॉन्ड योजना 2018 के अनुसार दानदाताओं की गोपनीयता की रक्षा करने की आवश्यकता का तर्क देते हुए स्पष्ट रूप से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ तालमेल बिठाते हुए देखा। तीन सदस्यीय चुनाव आयोग इतना कमजोर क्यों हो गया है कि उसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हुक्म का पालन करना पड़े? ऐसा इसलिए है क्योंकि मुख्य चुनाव आयुक्त और अन्य चुनाव आयुक्त (नियुक्ति, सेवा की शर्तें और कार्यकाल) अधिनियम 2023 ने दो चुनाव आयुक्तों को संवैधानिक रूप से असुरक्षित बना दिया है। केवल मुख्य चुनाव आयुक्त को ही हटाये जाने के विरुद्ध संवैधानिक रूप से संरक्षण प्राप्त है। उनका कार्यकाल मुख्य चुनाव आयुक्त की इच्छा पर निर्भर करेगा। इसके अलावा, नये कानून के तहत उन्हें नियुक्त करने का अधिकार अंततरू प्रधानमंत्री के पास है, जिसे नियुक्ति समिति से भारत के मुख्य न्यायाधीश को हटाकर सुरक्षित किया गया, जिससे चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति में निष्पक्षता खत्म हो गयी। चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति में कोई पारदर्शिता नहीं रह गयी है। नवंबर 2021 में केंद्रीय कानून मंत्रालय ने सीईसी को पीएमओ के साथ बैठक में शामिल होने के लिए कहा था और सीईसी ने बैठक में भाग लिया था। यह स्पष्ट रूप से पीएमओ द्वारा ईसीआई की अधीनता का मामला था। जब विवाद हुआ, तो केंद्रीय कानून मंत्री ने एक स्पष्टीकरण जारी किया, जिसमें कहा गया कि यह एक नोडल एजेंसी है और चुनाव सुधार से संबंधित कई मुद्दे 2011 से लंबित हैं। पीएमओ ने यह भी स्पष्ट किया कि यह एक अनौपचारिक बातचीत थी। ईसीआई को व्यवस्थित रूप से कमजोर किया गया है। इसे 2019 के चुनावों के दौरान हुई घटना में देखा जा सकता है। पीएम नरेंद्र मोदी और अमित शाह के खिलाफ चुनाव के लिए आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन की शिकायतें थीं, जिसमें घृणा की भाषा भी शामिल थी। ईसीआई के बहुमत के फैसले ने उन्हें क्लीन चीट दे दी थी, लेकिन एक चुनाव आयुक्त ने असहमति नोट दिया था। इसके बाद आयकर विभाग ने चुनाव आयुक्त के रूप में उनकी नियुक्ति से पहले की अवधि के लिए उनकी पत्नी को नोटिस जारी किये। इसके बाद असंतुष्ट चुनाव आयुक्त ने बैठकों में भाग लेना भी बंद कर दिया और कहा कि अल्पमत के निर्णयों को बहु–सदस्यीय वैधानिक निकायों द्वारा पालन की जाने वाली सुस्थापित परंपराओं के विपरीत तरीके से दबाया जा रहा है। 2024 के लोकसभा चुनाव के दौरान एक चुनाव आयुक्त ने भी इस्तीफा दे दिया था। कोलकाता में एक बैठक के दौरान मुख्य चुनाव आयुक्त और उक्त चुनाव आयुक्त के बीच मतभेद और विवाद भड़क गया था और दिल्ली लौटने के बाद उस चुनाव आयुक्त को इस्तीफा देना पड़ा, क्योंकि नये कानून के तहत चुनाव आयोग को हटाए जाने के खिलाफ संवैधानिक संरक्षण प्राप्त नहीं है। ये कुछ ऐसे मामले हैं जो चुनाव आयोग की संवैधानिक स्वायत्तता के क्षरण का संकेत देते हैं। ऐसी पृष्ठभूमि में, चुनाव आयोग पर राहुल गांधी के आरोपों को सरसरी तौर पर खारिज नहीं किया जा सकता। उन्होंने आरोप लगाया है कि नवंबर 2024 में महाराष्ट्र चुनाव में धांधली हुई थी। उन्होंने पांच विशिष्ट कदम बताये जिनके माध्यम से चुनाव में धांधली हुई। पहला कदम चुनाव आयोग की नियुक्ति के लिए पैनल में हेराफेरी करनाय दूसरा कदम फर्जी मतदाताओं को मतदाता सूची में शामिल करनाय तीसरा कदम मतदान प्रतिशत बढ़ानाय चौथा कदमरू फर्जी मतदान को ठीक उसी जगह लक्षित करना जहां भाजपा को जीतना है, पांचवां कदम सुबूत छिपाना–यह देखना मुश्किल नहीं है कि महाराष्ट्र में भाजपा इतनी हताश क्यों थी। लेकिन हेराफेरी मैच फिक्सिंग की तरह है। जो पक्ष धोखा देता है, वह खेल जीत सकता है, लेकिन (यह) संस्थाओं को नुकसान पहुंचायेगा और नतीजों में जनता का विश्वास खत्म कर देगा। सभी चिंतित भारतीयों को सबूत देखना चाहिए। खुद ही फैसला करें।

वामिका गब्बी

पांच साल पहले समझ आया कि एक्टिंग क्या है, वर्कशॉप से दिमाग की खिड़की खुली

वामिका गब्बी एक एक्ट्रेस होने के साथ–साथ एक खोजी भी हैं। उन्होंने विशाल भारद्वाज के साथ काम करके अभिनय को नया रूप दिया। ओशो की शिक्षाओं से उन्हें आत्म–बोध हुआ। वामिका ने बताया कि विशाल सर की वर्कशॉप ने उनके भीतर की खिड़कियां खोलीं। उन्होंने श्भूल चूक माफश में पहली बार कॉमेडी की। वामिका गब्बी सिर्फ अभिनेत्री नहीं, एक खोज हैं। अपने किरदारों में, अपने भीतर और जिंदगी की परतों में। एक ओर जहां उन्होंने विशाल भारद्वाज जैसे दिग्गज फिल्मकार के साथ चार–चार प्रोजेक्ट्स में काम करके अपनी ऐक्टिंग को नया आकार दिया, वहीं दूसरी ओर ओशो की शिक्षाओं से आत्म–बोध की राह भी पकड़ी। वामिका खुद कहती हैं कि अभिनय की असली समझ उन्हें सिर्फ पांच साल पहले आई, जब विशाल सर की वर्कशॉप ने उनके भीतर की खिड़कियां खोल दीं। 'भूल चूक माफ' नाम की अपनी नई फिल्म में उन्होंने पहली बार कॉमिडी की और इस चुनौती को भी आत्मविश्वास से पार किया। वामिका मानती हैं कि एक अच्छा कलाकार बनने के लिए सिर्फ तकनीक नहीं बल्कि संतुलित निजी जीवन, रिश्तों की गहराई और मानसिक शांति भी जरूरी है। उनकी बातों में न सिर्फ एक कलाकार की परिपक्वता झलकती है बल्कि एक जागरूक इंसान की सोच भी।

विशाल भारद्वाज सर ने मेरी ऐक्टिंग को संवारा है

मैं इतनी खुशकिस्मत हूं कि विशाल भारद्वाज जैसे इतने बड़े डायरेक्टर ने मुझे लिया। मैं, डैड और भाई उनके इतने बड़े फैन हैं कि क्या बताएं। उनके साथ काम करना मेरे लिए सपने की तरह था। उन्होंने मुझे खुद अपनी फिल्मों के लिए सिलेक्ट किया। दूसरी बार जब उन्होंने फिर से काम करने को कहा तो मैं खुद शॉक्ड रह गई। यकीन नहीं हो रहा था लेकिन बाद में समझ आया कि ऐसा उन्होंने पहले भी तब्बू जी और प्रियंका चोपड़ा के साथ किया था। उन्हें किसी के साथ लगे कि ये अच्छा काम करती है तो वह उसके साथ फिर से काम करते हैं। मैंने उनके साथ चार प्रोजेक्ट किए हैं। उनसे जो सीखने को मिला, उस अनुभव ने कहीं ना कहीं मेरी थिंकिंग को शेप दिया। अब समझ आ गया कि कैसे प्रोजेक्ट्स को हां करना और किसको ना करना है। उनके साथ ने मेरी ऐक्टिंग को बहुत संवार है। मेरे ऐक्टिंग करियर में उनका बड़ा योगदान है।

पहले मैं टिपिकल हीरोइन टाइप ऐक्टिंग करती थी

मैंने विशाल भारद्वाज जी की वर्कशॉप में सीखा कि किसी सीन को किस तरह बेहतर किया जा सकता है। दरअसल, मैंने कहीं से ऐक्टिंग सीखी नहीं है। उससे पहले तक लगता था कि मैं बहुत टिपिकल हिरोइन टाइप ऐक्टिंग करती थी। जहां रोना, जहां हंसना, जहां गुस्सा करना है, सब एक जैसे हो जाते थे। उसमें कोई एडिशन नहीं था और ना वैरायटी। वर्कशॉप के बाद ऐसा लगा कि किसी ने मेरे दिमाग की खिड़कियां खोल दी हैं। फिर समझ आया कि यह तो समुंदर है। इसमें हरेक कैरेक्टर का रोना–हंसना अलग हो सकता है। मुझे समझ आया कि ये चीज ही बहुत अलग है। देखा जाए तो मुझे पांच साल पहले समझ आया था कि ऐक्टिंग होती क्या है और कितनी कठिन है। उसके बाद से मेरे करियर का ग्राफ जो बदला है, उसे मैं बता नहीं सकती।

करियर को लाइफ बनाकर जिएंगे तो परेशान रहेंगे

एक वक्त ऐसा था, जब अपने करियर वगैरह को लेकर मैं बहुत परेशान रहती थी। धीरे–धीरे समझ आया कि यहां तब अच्छा कर पाऊंगी, जब जिंदगी में अच्छा करूंगी। मेरे रिश्ते अच्छे नहीं होंगे, मैं आसपास के लोगों से अच्छा बर्ताव नहीं करूंगी तो कभी अच्छी ऐक्टर नहीं बन पाऊंगी। मैंने जब अपनी पर्सनल लाइफ पर काम करना शुरू किया तो समझ आया कि वहां से जो मिल रहा है, वो बहुत टैम्परेरी चीज है। वो जो मेरे दोस्त, फैमिली, रिश्ते हैं, वो हैं, जो मेरे साथ अंत तक जाएंगे। इसी वजह से मैं बोलती हूं कि 'डल बंततपमत पे ´ चंतज व्ि‍उल स्पमि, पजश्े दवज उल स्पमि.' अगर आप करियर को अपनी लाइफ बनाकर जीवन जिएंगे तो बहुत परेशान रहेंगे। ये परेशानी देख ली थी तो समझ आया गया कि ये मुझे नहीं चाहिए।

ओशो ने समझाया कि तुलना दूसरों से नहीं, सिर्फ खुद से करो

मुझे लगता है कि जिंदगी जब आप पूरी स्वीकार्यता से जीते हैं तो उसी का मतलब है कि नदी के बहाव में तैरने की कोशिश मत करो, बहो। चाहे अच्छा हो या बुरा। वो जो रजनीश (ओशो) को सुनकर, स्प्रिचुएलिटी में उतरकर चीजें समझ में आईं, उसके बाद भीतर एक शांति सी आ गई। हम सब एक रेस में आंखें बंदकर दौड़े रहे हैं। मैं भी उसी रेस में थी। दूसरों से तुलना करती थी। ओशो को सुनने के बाद समझ आया कि तुलना तो सिर्फ खुद से करनी चाहिए। उन्होंने कहा है कि अगर आपको किसी इंसान से समस्या है तो उसका समाधान आपके अंदर ही है। सामने वाले को नहीं बताना कि क्या सुधार करना है, वो आपको खुद में सुध ाार करना है। उनकी इस बात से मेरी जिंदगी की इतनी समस्याएं खत्म हो गईं कि क्या बताऊं।

फ्रीडम नहीं दी तो प्यार करप्ट हो जाएगा

ओशो जी ने जो प्यार की परिभाषा दी है, अब मैं उसी पर चलती हूं। उन्होंने कहा है कि 'जीम ˜स जपउ ´ज म ॅजंजम व् स्वअम पे थ्तममकवउ'। लगता है कि अगर मेरी जिंदगी में किसी ने यह वाला प्यार किया है तो वो डैड हैं। जिस तरह का फ्रीडम उन्होंने बिन मांगे दिया है, वो प्यार का अल्टीमेट स्टेट है। अब मैं कहीं भी प्यार ढूंढती हूं तो कोशिश रहती है कि उन्हें बांधकर ना रखूं। अगर मैं उन्हें बांध रही हूं तो यह प्यार नहीं, कुछ और है। फिर वो प्यार करप्ट हो जाता है। मुझे समझ आया कि फ्रीडम कितना जरूरी है। यह आप अपने पार्टनर, रिलेटिव, फ्रेंड्स सबको दें। विशाल सर ने ही ओशो जी के बारे में बताया था क्योंकि वह उन्हें सुनते थे। मुझे याद है कि एक बार हम मुंबई में एक प्रोजेक्ट की बात करने के लिए सैर पर निकले थे। उन्होंने एक ईयरपॉड खुद लगाया और एक मुझे दे दिया।

11 दिन बाद कैंसर की सर्जरी करवा कर घर लौटीं दीपिका कक्कड़, पति शोएब इब्राहिम ने दिया हेल्थ अपडेट

टेलीविजन अभिनेत्री दीपिका कक्कड़ को स्टेज 2 लीवर कैंसर की सर्जरी के बाद शुक्रवार को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई, उन्होंने इंस्टाग्राम पोस्ट में बताया। 38 वर्षीय ससुराल सिमर का की अभिनेत्री ने ट्यूमर को हटाने के लिए मुंबई के एक अस्पताल में 14 घंटे की सर्जरी करवाई, जिसके दौरान डॉक्टरों ने उनके पित्ताशय और लीवर के एक हिस्से को भी हटा दिया। मुंबई के कोकिलाबेन अस्पताल में एक सप्ताह से अधिक समय तक निगरानी में रहने के बाद, दीपिका ने साझा किया कि ट्यूमर को सफलतापूर्वक हटा दिया गया है। हालांकि, उनका उपचार जारी है, और पूरी तरह से ठीक होने के लिए और अधिक चिकित्सा देखभाल की आवश्यकता है।

शोएब इब्राहिम ने अपने लेटेस्ट व्लॉग में बताया कि दीपिका को 11 दिन बाद अस्पताल से छुट्टी मिल गई है। दीपिका की सेहत के बारे में जानकारी देते हुए उन्होंने कहा, उन्हें 11 दिन बाद अस्पताल से छुट्टी मिल गई है और वे चेक–अप के लिए आई हैं। पिछले कुछ दिन मेरे और मेरे परिवार के लिए बेहद मुश्किल रहे हैं, लेकिन हम सभी की प्रार्थनाओं और समर्थन के लिए आभारी हैं। यह सिर्फ एक हिस्सा है, अभी बहुत कुछ बाकी है। अभी सब कुछ ठीक है, लेकिन हमने सिर्फ एक मील का पत्थर पार किया है। अभी भी बहुत कुछ बाकी है, जिस पर हमें गौर करना है। जैसा कि डॉक्टर हमें बताते हैं, हम उसका पालन करते रहेंगे। लेकिन सबसे बड़ा हिस्सा – सर्जरी – ठीक रही। दीपिका भी ठीक हो रही हैं। हां, अभी भी बहुत कुछ बाकी है, जिसे पूरा किया जाना है। उम्मीद है कि वे भी ठीक हो जाएंगे।

अपने YouTube व्लॉग में, कक्कड़ के पति और अभिनेता शोएब इब्राहिम ने अपनी पत्नी के स्वास्थ्य के बारे में एक अपडेट साझा किया और कहा कि उन्हें फॉलो–अप के लिए बार–बार आना होगा क्योंकि ट्यूमर घातक था। इब्राहिम ने अपने व्लॉग में कहा, ष्उसे 11 दिनों के बाद छुट्टी मिल गई और वह चेक–अप के लिए आई है। पिछले कुछ दिन मेरे और मेरे परिवार के लिए बेहद मुश्किल रहे हैं, लेकिन हम सभी की प्रार्थनाओं और समर्थन के लिए आभारी हैं। यह सिर्फ एक हिस्सा हैय अभी भी बहुत कुछ बाकी है। अभी सब कुछ ठीक है, लेकिन हमने सिर्फ एक मील का पत्थर पार किया है। अभी भी बहुत कुछ बाकी है जिस पर हमें गौर करना है। जैसा कि डॉक्टर हमें मार्गदर्शन देते हैं, हम उसका पालन करते रहेंगे। लेकिन सबसे बड़ा हिस्सा–सर्जरी–ठीक रही। दीपिका भी ठीक हो रही है। हां, अभी भी बहुत कुछ बाकी है जो किया जाना बाकी है। उम्मीद है कि वे भी ठीक हो जाएंगे। वीडियो में दीपिका अपने बेटे रूहान और परिवार के अन्य सदस्यों से मिलती हुई दिखाई दे रही हैं। दीपिका कक्कड़ को मई में लीवर ट्यूमर का पता चला था। इस महीने की शुरुआत में, उन्हें स्टेज 2 लीवर कैंसर के लिए 14 घंटे लंबी सर्जरी से गुजरना पड़ा। एक ल्वनज्नइम व्लॉग में, उनके पति शोएब ने खुलासा किया कि सर्जरी में उनके पित्ताशय के साथ–साथ उनके लीवर का एक हिस्सा भी निकाला गया था।

मुजम्मिल इब्राहिम एक्टर बनने से पहले फैशन इंडस्ट्री का जाना माना नाम थे। मुजम्मिल की पहचान सुपरमॉडल की रही है। साल 2007 में उन्होंने फिल्म 'धोखा' से एक्टिंग करियर की शुरुआत की थी। इस फिल्म को महेश भट्ट ने प्रोड्यूस किया था और पूजा भट्ट इसकी डायरेक्टर थीं।हाल ही में एक इंटरव्यू में मुजम्मिल ने दावा किया है कि पूजा सेट पर उनके साथ मिस बिहेव करती थीं। सिद्धार्थ कन्नन को दिए इंटरव्यू में, वो शूटिंग के समय को याद कर इमोशनल हो गए। मुजम्मिल कहते हैं– 'मैंने इस फिल्म को शूट करत वक्त बहुत मुश्किलें झेली थीं। उसके बाद भी मैंने कमाल की परफॉर्मेंस दी। मुझे पता है कि शूट के दौरान मैंने नर्क का एहसास किया है। इस फिल्म के दौरान मेरे बारे में बहुत बातें की गई। मुझे अनप्रोफेशनल बुलाया जाता था। पूजा भट्ट का अपना एक टेम्परामेंट हैं। उनके साथ काम करना एक्टर्स के लिए बहुत मुश्किल है। भट्ट साहब मुझे बहुत पसंद करते थे। मैं उस वक्त बहुत छोटा था। पूजा ने मेरे साथ जो किया, वो मैं बता भी नहीं सकता क्योंकि वो बेहद क्रूर है। बतौर इंसान मैं आज भी उनकी बहुत इज्जत करता हूं। मुझे भट्ट साहब ने चांस दिया था तो मैं अपनी पहली फिल्म के लिए बहुत उत्साहित था। लेकिन जब इतने छोटे बच्चे के साथ बुरा सलूक करते हो फिर आप क्या उम्मीद करते हैं। पूजा का नेचर अब्यूजिव था। वो बहुत ज्यादा गाली बकती थीं। धोखा के बाद भट्ट साहब चाहते थे कि मैं राज–2 करूं।

कंगना रनौत अपने बयानों को लेकर चर्चा में बनी रहती हैं. ऐसे में बॉलीवुड और टीवी की दिग्गज एक्ट्रेस कुनिका (ज्ञनदपबां ैंकंदंक) एक्ट्रेस पर अपनी भड़ास निकालती नजर आई. एक्ट्रेस ने कहा कि, कंगना हमेशा इंडस्ट्री को लेकर नेगेटिव बातें करती हैं. वो उन्हें बिल्कुल पसंद नहीं है.

कंगना रनौत पर भड़कीं कुनिका सदानंद

कई टीवी शोज समेत 'हम साथ–साथ हैं' जैसी फिल्मों में काम करने वाली एक्ट्रेस कुनिका सदानंद ने मेरी सहेली से कंगना रनौत को लेकर खुलकर बात की. जब एक्ट्रेस से पूछा गया कि इंडस्ट्री के लोग कंगना को पसंद क्यों नहीं करते हैं तो उन्होंने कहा, श्उनका नेचर देखो. उनके मुंह से कभी भी कोई मीठी बात नहीं निकलती.'

'कंगना रनौत हमेशा नेगेटिव रहती हैं'

कुनिका ने आगे कहा कि, 'वो हमेशा नेगेटिव रहती हैं और बकवास ही करती हैं. जिस थाली में खाती हैं, उसी थाली में छेद करती हैं. इंडस्ट्री ने ही उन्हें हिरोइन बनाया है. वो तो आउटसाइडर थी, लेकिन फिर फिल्मों में चांस मिला. शाहरुख खान, नवाजुद्दीन सिद्दीकी और इरफान खान आउटसाइडर नहीं थे? सॉरी, लेकिन कंगना रनौत जब भी मुंह खोलती है तो हगती है. मुझे वो पसंद.

दूसरों के रोल काट देती हैं कंगना रनौत – कनिका

कंगना रनौत को लेकर कुनिका ने ये भी, 'कंगना को एक्टर, डायरेक्टर और प्रोड्यूसर सबकुछ क्यों बनना है. मुझे तो ये भी नहीं पता कि उन्हें फिल्मों के लिए फंडिंग कहां से मिलती है आपको मणिकर्णिका के लिए फंडिंग मिलती है फिर आप डायरेक्टर हायर करते हो और फिर उनके रोल काट देती हो, क्योंकि आप इनसिक्योर हो..हालांकि कंगना एक्ट्रेस अच्छी हैं. इसलिए मैं चाहती हूं कि उनकी फिल्में हिट हो.'

वर्कफ्रंट की बात करें तो कंगना रनौत आखिरी बार फिल्म 'इमरजेंसी' में नजर आई थीं. फिल्म में उन्होंने इंदिरा गांधी का किरदार निभाया था.

चाहिए लंबे, घने बाल तो दालचीनी का करें इस्तेमाल

खूबसूरत, लंबे और घने बाल देखने में बहुत अच्छे लगते हैं। अमूमन ऐसे बाल पाने के लिए हम बाजार से कई तरह के प्रोडक्ट लेकर आते हैं, जो काफी महंगे होते हैं। लेकिन अगर आप बजट में रहकर अपने बालों की केयर करना चाहते हैं तो आपको अपनी किचन में मौजूद चीजों का इस्तेमाल करना चाहिए। इन्हीं में से एक है दालचीनी। यह आपके खाने को बेमिसाल महक व स्वाद देती है, लेकिन वहीं इसे बालों को लिए भी काफी अच्छा माना जाता है। अगर इसकी मदद से हेयर पैक बनाकर बालों में लगाया जाए तो इससे बाल कुछ ही समय में घने हो जाते हैं। इसमें मौजूद एंटी–ऑक्सिडेंट, एंटी–इंफ्लेमेटरी और एंटी–वायरल गुण बालों व स्कैल्प हेल्थ को बेहतर बनाते हैं। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको दालचीनी की मदद से बनने वाले कुछ हेयर पैक बनाने के बारे में बता रहे हैं–

आवश्यक सामग्री–

– एक चम्मच दालचीनी

– एक चम्मच शहद

– एक चम्मच नारियल तेल

इस्तेमाल का तरीका–

– सबसे पहले एक बाउल में दालचीनी, शहद और नारियल तेल को मिक्स करें और पेस्ट बना लें।

– अब आप मास्क को स्कैल्प पर लगाएं और फिर हल्के हाथों से मसाज करें।

– करीबन 20 मिनट के लिए मास्क को अपने बालों पर लगा रहने दें।

– अंत में, पानी व माइल्ड शैम्पू की मदद से बालों को क्लीन कर लें।

– आप सप्ताह में एक बार इस मास्क को अपने बालों में लगा सकते हैं।

दालचीनी और अंडे से बनाए मास्क

अंडे में मौजूद प्रोटीन आपके बालों को मजबूती प्रदान करता है। आपप इसे दालचीनी और नारियल तेल की मदद से मिक्स करके एक मास्क बनाएं।

आवश्यक सामग्री–

– एक अंडा

– एक चम्मच नारियल का तेल

– एक चम्मच दालचीनी

इस्तेमाल का तरीका–

– सबसे पहले अंडा तोड़ लें और उसे फेंट लें।

– अब इसमें नारियल तेल और ताजी पिसी हुई दालचीनी डालकर मिक्स कर लें।

– अब इस पेस्ट को अपनी स्कैल्प पर लगाएं और 30 मिनट के लिए ऐसे ही छोड़ दें।

– अंत में, माइल्ड शैम्पू की मदद से बालों को धो लें।

इसका रखें ध्यान

अगर आप दालचीनी का इस्तेमाल करना चाहते हैं तो आपको कुछ बातों का ध्यान रखना चाहिए। सबसे पहले तो इसे इस्तेमाल से पहले एक बार पैच टेस्ट अवश्य करर लें। इसके अलावा, आप इसे कम मात्रा में ही इस्तेमाल करें। जरूरत से ज्यादा इस्तेमाल करने से आपको नुकसान हो सकता है।

बहुत कम लोगों को पता हैं गोवा के सस्ते और हिडेन बीचेज, प्राइवेसी और सुकून दोनों का उठा सकेंगे लुत्फ

कई लोग छुट्टियां मनाने के लिए गोवा जाते हैं। आप गोवा में मिनिमम बजट में अच्छा वेकेशन कर सकते हैं। लेकिन गोवा में अगर आप बाघा बीच या फिर कैंडोलिम बीच पर जाते हैं। तो यहां पर पर्यटकों की भीड़ आपको परेशान कर सकती हैं। ऐसे में अगर आप गोवा के किसी ऐसे बीच पर जाना चाहते हैं, जहां लोगों की भीड़ काफी कम हो। तो आपको गोवा के इन हिडेन बीच को जरूर एक्सप्लोर करना चाहिए। गोवा में सिर्फ बीच ही नहीं बल्कि कई मॉन्यूमेंट्स भी हैं, जो बहुत ज्यादा फेमस नहीं है। लेकिन यह आपकी वेकेशन को बेहद शानदार बना सकते हैं।

काकोलम बीच

काकोलम बीच को टाइगर बीच भी कहा जाता है। लेकिन इसे ढूंढ पाना इतना भी आसान नहीं है। इस खूबसूरत बीच पर पहुंचने के लिए आपको थोड़ी सी हाइकिंग के अलावा सीढ़ियों का सहारा लेना होगा। इस बीच के पास यदि आप स्टे करना चाहते हैं तो यहां पर आपको 500 रुपये से शुरू होने वाले टेंट स्टे भी मिल सकते हैं।

आरंबोल बीच

आरंबोल गोवा के मछुआरों का एक गांव हैं। बता दें कि यह जगह फ्ली मार्केट और नाइट पार्टीज के लिए काफी अच्छी है। इस बीच के पास एक स्वीट लेक भी है। गोवा की जगह पैराग्लाइडिंग और काइट सर्फिंग के साथ हाइकिंग के लिए भी काफी ज्यादा फेमस है। बता दें कि यह बीच गोवा के गिने–चुने न्यूड बीच में से एक है। इस खूबसूरत बीच पर आप अपने परिवार के साथ भी जा सकते हैं।

बटरफ्लाई बीच

अगर आप भी गोवा जाने का प्लान बना रहे हैं तो आपको बटरफ्लाई बीच को जरूर एक्सप्लोर करना चाहिए। यह गोवा के गिने–चुने व्हाइट सैंड बीच में से एक है। यह बीच साफ पानी और ट्रेकिंग एक्सपीरियंस के चलते लोगों के बीच फेमस हो रहा है। हालांकि यहां पर जाने के लिए आपको बोट की जरूरत पड़ेगी। इसके बाद आप ट्रेकिंक के जरिए बटरफ्लाई बीच तक पहुंच सकते हैं। यहां पर आपको रिजॉर्ट्स की सुविधा भी मिल जाएगी।

मोबोर बीच

अगर आप भी हैंडीक्राफ्ट का शौक रखते हैं और गोवा के किसी शांत जगह पर अपने वेकेशन का लुत्फ उठाना चाहते हैं। तो मोबोर बीच एकदम परफेक्ट है। यहां पर आपको अच्छे फूड के साथ ही रहने के लिए भी सस्ता ऑप्शन मिल जाएगा। यह बीच लग्जरी रिजॉर्ट्स के लिए भी फेमस है। यहां पर आप सनसेट का भी लुत्फ उठा सकते हैं।

गलगिबागा बीच

अगर आप गोवा का सबसे साफ बीच देखना चाहते हैं तो गलगिबागा बीच जाना चाहिए। यह ऑलिव राइडली टर्टल हैचिंग साइट भी है। इस बीच का साफ पानी और रेत आपको विदेश सैर का एहसास करवाएगी। गलगिबागा बीच साउथ गोवा में तालपोना नदी के पास है।

बटरफ्लाई कंजरवेटरी गोवा

बटरफ्लाई कंजरवेटरी गोवा कोई बीच नहीं है, लेकिन यह आपके लिए बेस्ट जगह हो सकती हैं। अगर आपको भी नेचर से प्यार है तो आपको गोवा में इससे शांत और खूबसूरत जगह नहीं मिलेगी। यहां पर आपको 133 प्रजातियों की हजारों तितलियां देखने के लिए मिलेंगी। जंगल के बीचोबीच आप खूबसूरत और रंगीन नजारे देख सकते हैं। यहां पर रहने के लिए आसपास में कई रिजॉर्ट्स मिल जाएंगे। यह राजनगर नॉर्थ गोवा में स्थित है।

दवा से कम नहीं है लौंग की चाय! इम्यूनिटी से लेकर पाचन तंत्र को करती है मजबूत

लौंग एक ऐसा मसाला है जो हर भारतीय रसोई में मिलता है। इसको खाने में डालने में खाने का स्वाद कई गुणा बढ़ जाता है, साथ ही इसके बहुत सारे सेहत से जुड़े फायदे भी हैं। एंटीऑक्सीडेंट्स से भरपूर लौंग सुपर हेल्दी है। लौंग में एंटी–ऑक्सीडेंट, एंटी–माइक्रोबियल, एंटी–वायरल और एनाल्जेसिक विटामिन, मिनरल्स और अन्य पौष्टिक तत्व पाए जाते हैं, जो शरीर के लिए बहुत फायदेमंद माने जाते हैं। लौंग की चाय स्वास्थ्य के लिए काफी फायदेमंद मानी जाती है। हर दिन चाय में लौंग डालने से ना सिर्फ उसका स्वाद बढ़ जाता है ब्लकि इससे दांतों का दर्द भी दूर होता है। साथ ही और भी कई सारे फायदे मिलते हैं। आइए जानते हैं इसके बारे में...

इम्यूनिटी

लौंग की चाय ना सिर्फ शरीर को गर्माहट पहुंचती है बल्कि इम्यूनिटी को भी स्ट्रांग करती है। लौंग में एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं, जो शरीर से फ्री रेडिकल्स को नष्ट कर देता है और इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाता है तो करोना के इस दौर में लौंग की चाय का सेवन जरूर करें।

सर्दी–खांसी

बदलते मौसम में अक्सर लोग सर्दी–खांसी की चपेट में आ जाते हैं तो लौंग की चाय के सेवन से ये समस्या दूर हो सकती हैं। लौंग में एंटीसेप्टिक, एंटी–वायरल और एंटीमाइक्रोबियल गुण होते हैं जो सामान्य संक्रमण, जुकाम और खांसी को दूर करने में मदद कर सकते है।

दांत दर्द

दांत के दर्द में लौंग के तेल और लौंग का इस्तेमाल करने के सलाह बड़े– बजुर्ग देते हैं। लेकिन क्या आपको पता है कि लौंग की चाय के सेवन से भी दांत दर्द से छुटकारा मिल जाता है और मसूड़ों की सूजन भी काफी हद तक कम होती है।

एंटी इंफ्लेमेटरी

लौंग की चाय एंटी इंफ्लेमेटरी है। दरअसल, इस चाय को पीने से फेफड़ों की सूजन कम होती है और आप राहत महसूस कर सकते हैं। इसलिए अगर आपको इनमें से कोई भी समस्या है तो लौंग की चाय जरूर पिएं।

पाचन

लौंग की चाय का सेवन करने से पाचन को बेहतर रखा जा सकता है। अगर आपको पाचन संबंधी समस्या है तो आप लौंग की चाय का सेवन कर सकते हैं।

मेटाबॉलिज्म

रोजाना सुबह लौंग की चाय का सेवन करें, इससे आपका मेटाबॉलिज्म दर बढ़ सकता है। इतना ही नहीं, इससे वजन घटाने में भी मदद मिल सकती है।

लौंग की चाय बनाने की विधि

1. 1/2 इंच अदरक, 1 दालचीनी और 1/4 चम्मच लौंग को 3 कप उबलते हुए पानी में डालें।

2.मीडियम आंच में 5 मिनट तक उबलें।

3. फिर उसे छलनी की मदद से एक कप से छान लें और ठंडा होने दें।

4. शहद डाल कर चाय के मजे लें।

समर वेकेशन का बना रहे प्लान तो जरूर रख लें ये ब्यूटी प्रोडक्ट्स, घूमने का मजा होगा दोगुना

गर्मियों में कई लोग छुट्टियों में घूमने का प्लान बनाते हैं। खासकर बच्चों के स्कूल की छुट्टियां होते ही परिवार घूमने का प्लान बनाने लगते हैं। इसके लिए वह हॉलिडे डेस्टिनेशन सर्च करना स्टार्ट कर देते हैं। इसके लिए बेस्ट डेस्टिनेशन, बेस्ट होटल और बेस्ट खाना आदि के बारे में सर्च करते हैं। लेकिन इसके अलावा भी कई ऐसी चीजें होती हैं, जिनपर ध्यान देना बहुत जरूरी होता है। ऐसे में अगर आप भी गर्मी में छुट्टियों का प्लान बना रहे हैं तो अपनी वेकेशन को परफेक्ट बनाने के लिए इन चीजों को बैग में पैक करना न भूलें।

सनस्क्रीन

गर्मियों के मौसम में धूप से तो सभी परेशान रहते हैं। वहीं हमारी स्किन भी टैन हो जाती है। थोड़ी देर के लिए धूप में निकलना सही हो सकता है। लेकिन जब बात पूरे दिन धूप में घूमना हो तो अपनी स्किन का ख्याल रखना बहुत जरूरी होता है। चिलचिलाती धूप के कारण सनबर्न की समस्या भी हो सकती है। ऐसे में अगर आप अपनी स्किन को यूवी किरणों से बचाना चाहते हैं। तो अपने बैग में सनस्क्रीम रखना न भूलें। इसके साथ ही बैग में मॉस्किटो क्रीम भी रख सकते हैं।

सनग्लास

तेज धूप से न सिर्फ हमारी स्किन बल्कि हमारी आंखें भी जलने लगती हैं। वहीं तेज धूप के चलते कई बार आंखों में जलन होने के कारण आंसू निकलने लगते हैं। ऐसे में अगर आप अपने समर वेकेशन को परफेक्ट बनाना चाहते हैं, सनस्क्रीम के अलावा सनग्लास जरूर रखें। सनग्लास को पहनने से आपकी आंखों को कोई नुकसान नहीं होगा।

मेडिकल किट

अगर आप समर वेकेशन में बच्चों के साथ जा रहे हैं, तो आपको मेडिकल किट जरूर रखना चाहिए। क्योंकि यदि वेकेशन के दौरान किसी की तबियत खराब होती है तो इसके लिए दवा रखना न भूलें। सर्दी–जुकाम, दर्द, बुखार, उल्टी आदि की दवा पैक करती हैं। साथ में आप ओआरएस का पैकेट भी रख सकती हैं। डेटॉल और हैंडिप्लस आदि पैक करना न भूलें।

जरूर पैक करें हल्के कपड़े

गर्मियों में हल्के फैब्रिक वाला कपड़ा आराम देता है। इसलिए वेकेशन के दौरान हल्के फैब्रिक वाले कपड़े ही पैक करें। इनको पहनना भी काफी आसान होता है और घूमने–फिरने में कंफर्टेबल रहेंगे।

इन चीजों को जरूर करें पैक

यदि आप भी इस गर्मियों की छुट्टी में कहीं घूमने का प्लान बना रहे हैं तो पेपर सॉप, वाटरप्रूफ पाउच, पावर बैंक और सेल्फी स्टिक भी पैक कर सकते हैं। इसके अलावा आप चाहें तो बच्चों व अपने लिए हेल्दी फास्ट फूड रख सकते हैं। वहीं ठंडे पानी की बोतल रखना न भूलें।

27 साल का लंबा इंतजार खत्म कर साउथ अफ्रीका ने रचा इतिहास, ऑस्ट्रेलिया को हरा बनी चैम्पियन

लंदन। दक्षिण अफ्रीका ने एडेन मार्करम की शतकीय पारी की मदद से ऑस्ट्रेलिया को हराकर विश्व टेस्ट चौंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) का खिताब अपने नाम कर लिया है। गत चौंपियन ऑस्ट्रेलिया ने दक्षिण अफ्रीका को 282 रनों का लक्ष्य दिया था, लेकिन दक्षिण अफ्रीका ने पांच विकेट पर 285 रन बनाकर जीत हासिल की। दक्षिण अफ्रीका का टेस्ट में यह तीसरा सबसे बड़ा सफल रन चेज है। दक्षिण अफ्रीका की टीम इसके साथ ही पहली बार डब्ल्यूटीसी की विजेता बनी है, जबकि ऑस्ट्रेलियाई टीम खिताब का बचाव नहीं कर सकी है। ऑस्ट्रेलिया की टीम पहली पारी में बढ़त हासिल करने के बावजूद चौंपियन बनने से चूक गई।

दक्षिण अफ्रीका ने 27 साल का सूखा समाप्त किया

दक्षिण अफ्रीका ने 27 साल के अंतराल के बाद कोई आईसीसी खिताब अपने नाम किया है। टीम ने आखिरी बार 1998 में नॉकआउट ट्रॉफी (अब चौंपियंस) का खिताब अपने नाम किया था। तेम्बा बावुमा की अगुआई वाली टीम ने इस खिताबी सूखे को समाप्त किया और लॉर्ड्स मैदान पर ऐतिहासिक जीत दर्ज की। दक्षिण अफ्रीका की इस जीत में कप्तान बावुमा और एडेन मार्करम का योगदान काफी अहम रहा। इन दोनों बल्लेबाजों ने तीसरे विकेट के लिए 147 रनों की साझेदारी की और टीम की जीत की नींव रखी।

लॉर्ड्स में पांचवीं बार चेज हुआ 200+ रनों का लक्ष्य

दक्षिण अफ्रीका का टेस्ट में सबसे सफल रन चेज ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आया था। 2008 में पर्थ में खेले गए उस मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका ने 414 रनों का लक्ष्य हासिल किया था। वहीं इस टीम के खिलाफ वह 2002 में डरबन में 335 रनों का लक्ष्य भी प्राप्त कर चुकी है। अब दक्षिण अफ्रीका ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ ही अपने टेस्ट करियर का तीसरा सफल रन चेज किया। यह लॉर्ड्स मैदान पर भी संयुक्त रूप से दूसरा सबसे बड़ा रन चेज है। यह पांचवीं बार है जब इस मैदान पर टेस्ट में 200+ रनों का लक्ष्य प्राप्त किया गया है।

बढ़त लेने के बावजूद हारी ऑस्ट्रेलियाई टीम

ऑस्ट्रेलिया की दूसरी पारी तीसरे दिन 207 रन पर सिमट गई थी। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए ऑस्ट्रेलिया ने अपनी पहली पारी में 212 रन बनाए थे। जवाब में दक्षिण अफ्रीका की पहली पारी 138 रन पर सिमट गई थी। पहली पारी के आधार पर ऑस्ट्रेलिया को 74 रन की बढ़त मिली थी। इस तरह ऑस्ट्रेलिया की कुल बढ़त 281 रन हुई थी। जवाब में दक्षिण अफ्रीका की शुरुआत झटके के साथ हुई। रेयान रिकेल्टन सिर्फ छह रन बना पाए। उन्हें मिचेल स्टार्क ने अपना शिकार बनाया। वहीं, वियान मुल्डर सिर्फ 27 रन बना पाए। उन्हें भी स्टार्क ने पवेलियन भेजा था। 70 के स्कोर पर दो विकेट खो चुकी प्रोटियाज टीम को एक बड़ी साझेदारी की जरूरत थी। एडेन मार्करम ने टेम्बा बावुमा के साथ शतकीय साझेदारी निभाई और जीत की नींव रखी।

दक्षिण अफ्रीका का टेस्ट में तीसरा सबसे सफल रन चेज, मार्करम चमके

दक्षिण अफ्रीका की दूसरी पारी

दक्षिण अफ्रीका ने चौथे दिन की शुरुआत दो विकेट पर 213 रन से की थी, लेकिन टीम ने शनिवार को बावुमा का विकेट जल्द गंवाया जो 134 गेंदों पर 66 रन बनाकर आउट हुए। बावुमा को पैट कमिंस ने अपना शिकार बनाया। फिर ट्रिस्टन स्टब्स भी स्टार्क की गेंद पर बोल्ड हुए और आठ रन बनाकर पवेलियन लौटे। मार्करम हालांकि डटे रहे और टीम को जीत की दहलीज पर ले आए। लेकिन वह मैच फिनिश नहीं कर सके और जोश हेजलवुड की गेंद पर अपना विकेट गंवा बैठे। मार्करम 207 गेंदों पर 14 चौकों की मदद से 136 रन बनाकर आउट हुए। डेविड बेडिंघम और काइल वेरेने ने आखिरकार मैच समाप्त किया और दक्षिण अफ्रीका का खिताबी सूखा समाप्त किया। मार्करम को उनकी शानदार पारी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार मिला।

डब्ल्यूटीसी चौंपियन बनने वाली तीसरी टीम

बेडिंघम 21 रन और वेरेने चार रन बनाकर नाबाद लौटे ऑस्ट्रेलिया के लिए दूसरी पारी में स्टार्क ने तीन विकेट झटके, जबकि हेजलवुड और कमिंस को एक-एक विकेट मिला। दक्षिण अफ्रीका की टीम डब्ल्यूटीसी की विजेता बनने वाली तीसरी टीम है। इससे पहले न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया ने यह खिताब अपने नाम किया है। दक्षिण अफ्रीका ने इस तरह आईसीसी खिताब जीतने का 27 साल सूखा समाप्त कर लिया है।

मुझे पता है कब स्विच ऑन करना है और...

इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज से पहले प्रसिद्ध कृष्णा ने अपने बयान से मचाया तहलका

प्रसिद्ध कृष्णा ने कहा कि उन्होंने टीम की जरूरतों के अनुसार खेलना सीख लिया है और अब वह आईपीएल की अपनी बेहतरीन फॉर्म को इंग्लैंड दौरे पर भी जारी रखना चाहते हैं। चोट से उबरकर वापसी करने वाले प्रसिद्ध ने आईपीएल में बेहतरीन प्रदर्शन किया और सबसे ज्यादा विकेट लेकर पर्पल कैप हासिल की। अब वह इंग्लैंड के खिलाफ 20 जून से लीड्स में शुरू होने वाली पांच मैचों की टेस्ट सीरीज को लेकर उत्साहित हैं। आईपीएल 2025 में अपनी गेंदबाजी से तूफान मचाने वाले प्रसिद्ध कृष्णा मौजूदा समय में टीम इंडिया का हिस्सा हैं। इस दौरान वह इंग्लैंड दौरे पर हैं। जहां वो इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में भी अपनी गेंदबाजी से गर्दा उड़ाते हुए नजर आएंगे। वहीं प्रसिद्ध कृष्णा ने कहा कि उन्होंने टीम की जरूरतों के अनुसार खेलना सीख लिया है और अब वह आईपीएल की अपनी बेहतरीन फॉर्म को इंग्लैंड दौरे पर भी जारी रखना चाहते हैं। चोट से उबरकर वापसी करने वाले प्रसिद्ध ने आईपीएल में बेहतरीन प्रदर्शन किया और सबसे ज्यादा विकेट लेकर पर्पल कैप हासिल की। अब वह इंग्लैंड के खिलाफ 20 जून से लीड्स में शुरू होने वाली पांच मैचों की टेस्ट सीरीज को लेकर उत्साहित हैं।

संक्षिप्त

देश के बड़े बैंक ने दिया जनता को तोहफा, ब्याज दर घटी

भारतीय रिजर्व बैंक के रेपो रेट में 0.50 फीसदी की कटौती हो गई है। इस कटौती के बाद होम लोन सस्ता होने लगा है। भारत के सबसे बड़े बैंक भारतीय स्टेट बैंक ने भी होम लोन के लिए इंटरेस्ट रेट में कटौती कर दी है। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया ने ब्याज दर को 0.50 फीसदी से कम करने का फैसला किया है। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया ने अपने लेंडिंग लोन रेट में बदलाव किए है। अब ये नए रेट्स 15 जून 2025 से लागू होंगे। इस कटौती के बाद स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के जितने भी लोन है सभी सस्तो हो जाएंगे। अब स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की सालाना होम लोन की ब्याज दर 7.50 फीसदी से शुरू होगी। होम लोन मैक्सगैन ओवरड्राफ्ट से संबंधित इंटरेस्ट रेट 7.75: से 8.70: के बीच रहने वाली है। इसके अलावा टॉप अप होम लोन पर ब्याज दरें आठ फीसदी से 10.50 फीसदी के बीच तय हुई है। रिजर्व बैंक ने हाल में ही रेपो रेट को छह फीसदी से 0.50 फीसदी कम कर दिया था। बैंक ने फिक्स्ड डिपॉजिट और लोन की ब्याज दर में भी कटौती शुरू कर दी है। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया से पहले यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, समेत कई बैंक ब्याज दरों में कटौती कर चुके है। ब्याज दर में हुई कटौती का लाभ उन लोगों को होगा जिनका लोन रेपो लिंक्ड लेंडिंग रेट से जुड़ा हुआ है। आरबीआई की इस कटौती का लाभ एसबीआई से नया होम लोन सैंक्शन कराने वालों को भी होगा। एसबीआई के नए होम लोन के लिए ब्याज दर अबतक आठ फीसदी होती थी। अब ये दर घटकर 7.50 फीसदी पहुंच जाएगी। अब जो ग्राहक फ्लोटिंग रेट पर होम लोन ले चुके हैं उन्हें भी नए बदलाव का लाभ होगा। ऐसे में उनकी इएमआई थोड़ी कम हो सकती है या लोन की समय सीमा में बदलाव हो सकता है।

एअर इंडिया-एअर इंडिया एक्सप्रेस उड़ान संख्या '171' का इस्तेमाल बंद करेगी

नई दिल्ली। एअर इंडिया और एअर इंडिया एक्सप्रेस गुरुवार को हुए एअर इंडिया विमान हादसे के बाद उड़ान संख्या श्171श का इस्तेमाल करना बंद कर देंगे। सूत्रों के हवाले से यह जानकारी सामने आई है। इस हादसे में 241 लोग मारे गए थे। एअर इंडिया गुरुवार को 787-8 ड्रीमलाइनर विमान के जरिए अहमदाबाद से लंदन से सटे गैटविक तक जाने के लिए उड़ान संख्या श्एआई 171श का संचालन कर रहा था। उड़ान भरने के तुरंत बाद बोइंग की ओर से बनाया गया यह विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। सूत्रों ने शनिवार को बताया कि यह सामान्य प्रथा है कि घातक उड़ान दुर्घटनाओं के बाद एयरलाइंस उस विशेष उड़ान संख्या का उपयोग बंद कर देती हैं। 17 जून से अहमदाबाद-लंदन गैटविक की उड़ान संख्या श्एआई 171श के बजाय श्एआई 159श होगी। एक सूत्र ने बताया कि बुकिंग सिस्टम में जरूरी बदलाव शुक्रवार को शुरू कर दिए गए हैं। एक अन्य सूत्र ने बताया कि एयर इंडिया एक्सप्रेस ने भी अपनी उड़ान संख्या श्आईएक्स 171श को समाप्त करने का निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि उड़ान संख्या श्171श को बंद करना दिवंगत आत्माओं के प्रति सम्मान का प्रतीक है। 2020 में, एयर इंडिया एक्सप्रेस ने कोझीकोड में दुर्घटनाग्रस्त हुए विमान की उड़ान संख्या का उपयोग करना भी बंद कर दिया। उस हादसे में 21 लोग मारे गए थे।

जुबिलैंट समूह के प्रमोटर्स ने 1801 करोड़ रुपये के शेयर बेचे; किस भाव पर हुआ सौदा

नई दिल्ली। खाद्य पदार्थों से लेकर फार्मा क्षेत्र तक में दखल रखने वाले जुबिलैंट समूह के प्रमोटर्स ने शुक्रवार को अलग-अलग सौदों के जरिए जुबिलैंट फूडवर्क्स, जुबिलैंट इंग्रेविया और जुबिलैंट फार्मोवा के 1,801 करोड़ रुपये के शेयर बेच दिए।

एनएसई के ब्लॉक डील के आंकड़ों से बिकवाली की पुष्टि

एनएसई पर उपलब्ध ब्लॉक डील के आंकड़ों के अनुसार, जुबिलैंट फूडवर्क्स लिमिटेड (जेएफएल) के प्रमोटर्स में से एक, जुबिलैंट कंज्यूमर ने 1.06 करोड़ इक्विटी शेयर बेचे, जो नोएडा स्थित जेएफएल में समूह की 1.61 प्रतिशत हिस्सेदारी के बराबर है। इसके अलावा, एनएसई पर एक अन्य ब्लॉक डील के अनुसार, जुबिलैंट इंग्रेविया के तीन प्रमोटर फर्म्स जुबिलैंट एनप्रो, निकिता रिसोर्सेज और श्याम सुंदर भार्टिया फैमिली ट्रस्ट ने सामूहिक रूप से कंपनी में 98.65 लाख शेयर या 6.2 प्रतिशत हिस्सेदारी बेची। जुबिलैंट फार्मोवा के प्रमोटर जुबिलैंट एनप्रो और निकिता रिसोर्सेज ने एक्सचेंज पर एक बड़े सौदे के जरिए 32.86 लाख शेयरों की बिकवाली की। जो कंपनी में उनकी 2.06 प्रतिशत हिस्सेदारी के बराबर है। शेयरों को 662-1,060.37 रुपये प्रति शेयर के भाव पर बेचा गया है। इससे पूरे लेनदेन का मूल्य 1,800.98 करोड़ रुपये हो गया।

जेएफएल और जुबिलैंट इंग्रेविया में प्रमोटर्स की हिस्सेदारी घटी

हालिया बिकवाली के बाद, जेएफएल में जुबिलैंट समूह की संयुक्त हिस्सेदारी 41.94 प्रतिशत से घटकर 40.33 प्रतिशत हो गई। जुबिलैंट इंग्रेविया में प्रमोटर्स की हिस्सेदारी 51.47 प्रतिशत से घटकर 45.27 प्रतिशत हो गई। इसके अलावा, जुबिलैंट फार्मोवा में प्रमोटर्स की हिस्सेदारी 50.68 प्रतिशत से घटकर 48.12 प्रतिशत रह गई। जेएफएल व जुबिलेंट इंग्रेविया के शेयर खरीदरों में सोसाइटी जनरल, मॉर्गन स्टेनली, कोटक महिंद्रा म्यूचुअल फंड (एमएफ), आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस, बंधन एमएफ, एक्सिस एमएफ, एचडीएफसी एमएफ, बजाज आलियांज लाइफ इंश्योरेंस और कनाडा स्थित पेंशन फंड एआईएमसीओ (अल्बर्टा इन्वेस्टमेंट मैनेजमेंट कॉरपोरेशन) व अन्य शामिल थे। इसके अलावा, कोटक महिंद्रा एमएफ ने जुबिलैंट फार्मोवा में 32.86 लाख शेयर या 2.06 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदी। जुबिलैंट फार्मोवा के शेयरों के अन्य खरीदारों का विवरण साझा नहीं किया गया है।

समूह के शेयरों में बिकवाली के बाद दिखा बड़ा उतार-चढ़ाव

शुक्रवार को एनएसई पर जुबिलैंट इंग्रेविया का शेयर 15.09 प्रतिशत चढ़कर 784.90 रुपये प्रति शेयर पर बंद हुआ।

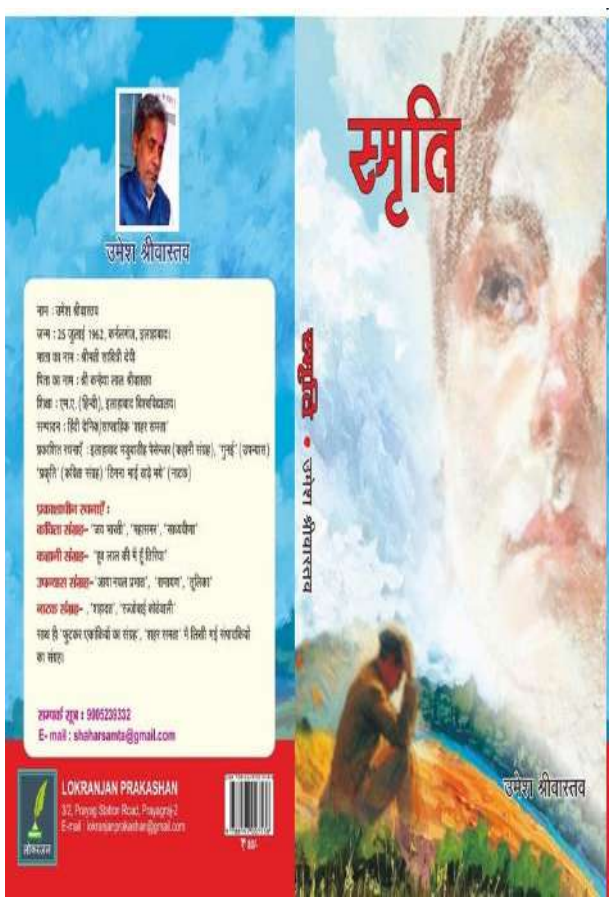

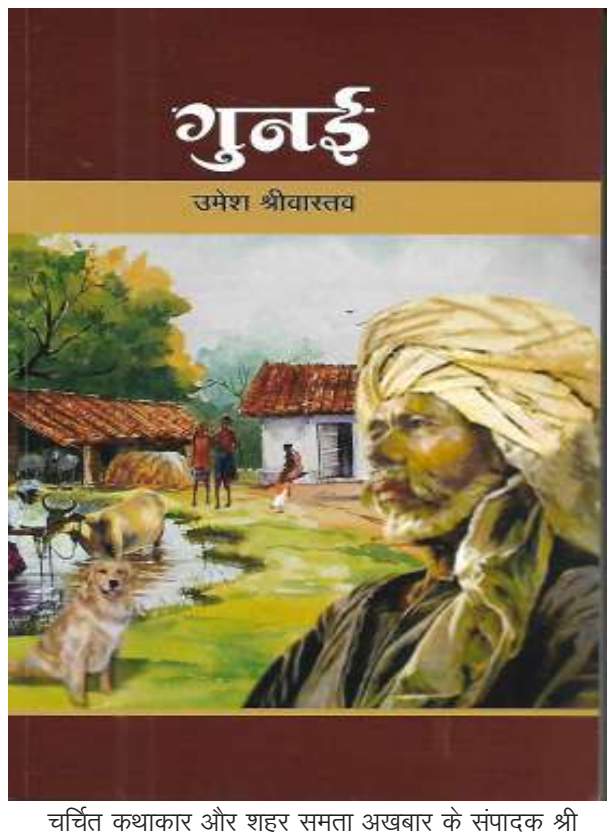

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

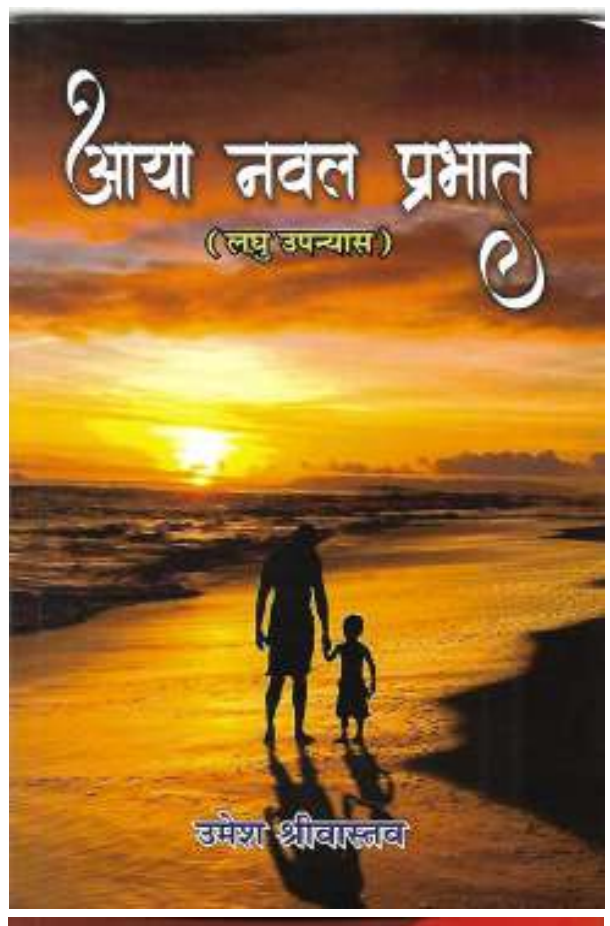

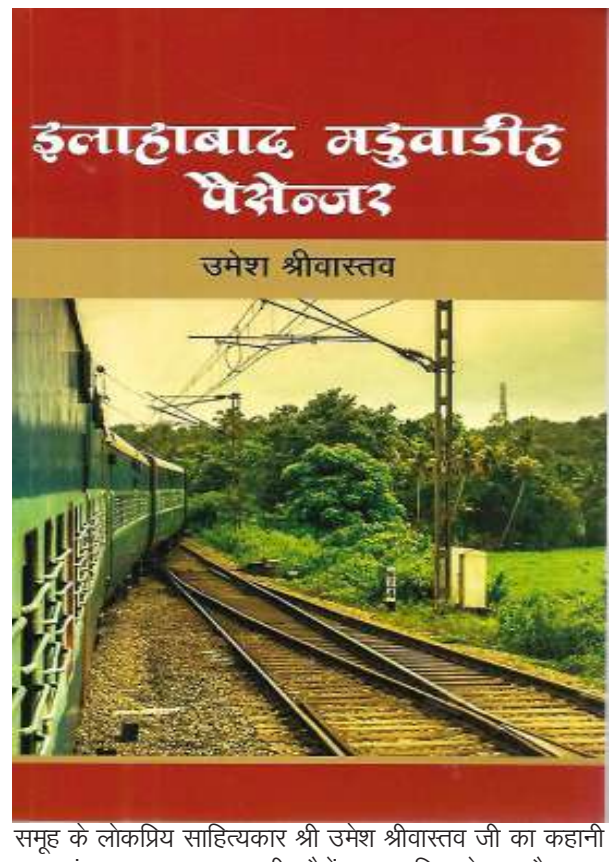

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

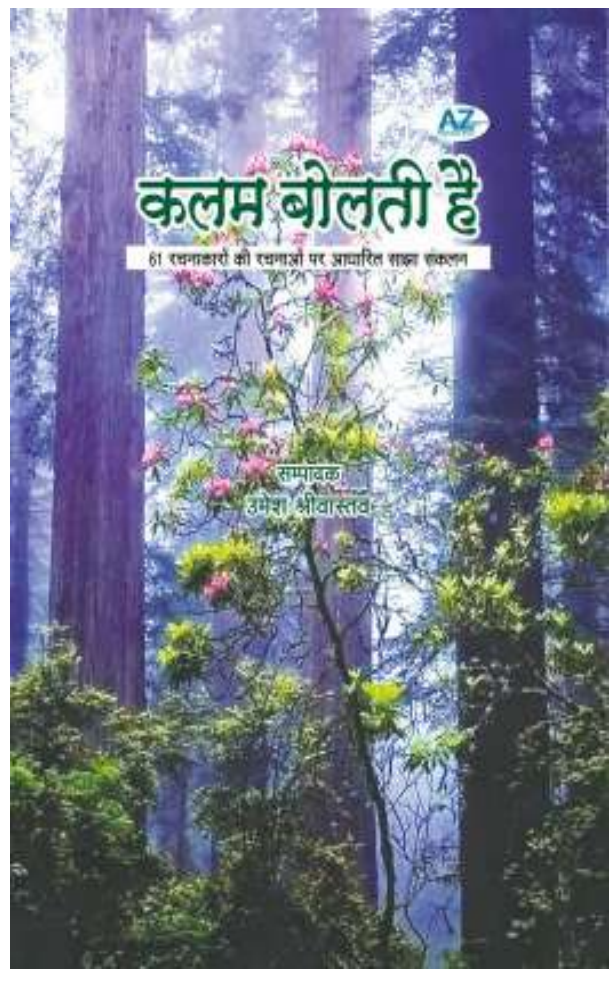

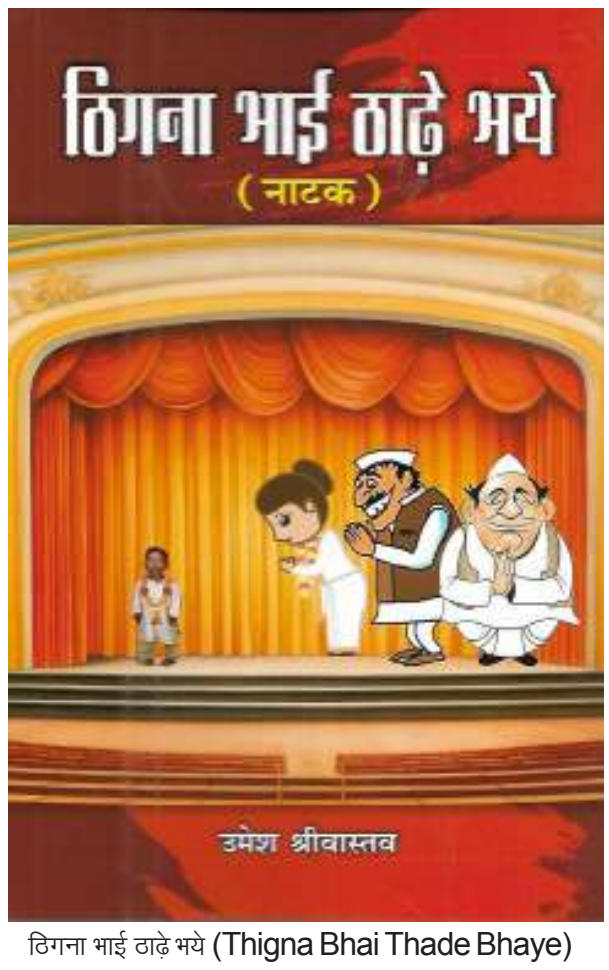

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त समाचार

भारत और फ्रांस रक्षा, अंतरिक्ष क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने पर सहमत

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शुक्रवार को अपने फ्रांसीसी समकक्ष ज्यां नोएल बैरोट के साथ विभिन्न मुद्दों पर व्यापक चर्चा की और दोनों पक्षों ने रक्षा, अंतरिक्ष एवं असैन्य–परमाणु गठजोड़ जैसे क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग बढ़ाने पर सहमति जताई। जयशंकर ने जम्मू–कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा करने के लिए भारत की ओर से फ्रांस की सराहना की और आतंकवाद के खिलाफ बचाव के भारत के अधिकार के प्रति ''दृढ़ समर्थन'' के लिए पेरिस को धन्यवाद दिया। उन्होंने बैठक के बाद मार्सिले में एक संयुक्त संवाददाता सम्मेलन

को संबोधित करते हुए रेखांकित किया कि पिछले कुछ वर्षों में भारत और फ्रांस के बीच ''बहुत उच्च स्तर का विश्वास'' बना है। जयशंकर ने कहा कि दोनों पक्षों ने भारतीय उपमहाद्वीप की स्थिति, यूक्रेन संघर्ष, पश्चिम एशिया और हिंद–प्रशांत जैसे वैश्विक और क्षेत्रीय मुद्दों पर भी चर्चा की। उन्होंने कहा, ''हमेशा से हमारा रुख रहा है कि यह ऐसा युग नहीं है, जहां मतभेदों को युद्ध के जरिये सुलझाया जाना चाहिए। हमारा मानना घ्ह्है कि बातचीत और कूटनीति ही इसका जवाब है... युद्ध के मैदान से कोई समाधान नहीं निकलने वाला, यह हमेशा से हमारा रुख रहा है। हमारा मानना घ्ह्है कि संबंधित पक्षों के बीच सीधी बातचीत सबसे महत्वपूर्ण है।'' जयशंकर ने कहा कि दोनों पक्षों ने ''रक्षा, असैन्य परमाणु ऊर्जा, अंतरिक्ष, आतंकवाद के खिलाफ कदमों, लोगों के आपसी संबंधों, नवोन्मेष, कृत्रिम मेधा (एआई), प्रौद्योगिकी समेत'' विभिन्न विषयों पर ''व्यापक चर्चा की।'' हिंद–प्रशांत क्षेत्र के संदर्भ में उन्होंने कहा कि दोनों देश ऐसे स्वतंत्र एवं खुले हिंद–प्रशांत क्षेत्र का साझा दृष्टिकोण रखते हैं, जहां अंतरराष्ट्रीय कानून एवं समुद्री सुरक्षा को बरकरार रखा जाता है। जयशंकर ने कहा, ''हमने इन उद्देश्यों को बढ़ावा देने के लिए सहयोग के संयुक्त प्रयासों पर चर्चा की।

हैनान द्वीप से दक्षिणी चीन की ओर बढ़ा भीषण तूफान

चीन के हैनान द्वीप के कुछ हिस्सों में भीषण तूफान के कारण शुक्रवार को भारी बारिश हुई तथा हजारों लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया, स्कूल बंद कर दिए गए और उड़ानें रद्द कर दी गईं। यह तूफान अब देश के दक्षिणी तट की ओर बढ़ गया है। चीन के दक्षिणी प्रांत गुआंगडोंग के आपातकालीन प्रबंधन विभाग ने बताया कि शुक्रवार रात को इसे गंभीर उष्णकटिबंधीय तूफान से भीषण तूफान की श्रेणी में अद्यतन किया गया और इससे ''तेज हवाएं चलने, बारिश होने और लहरें उठने'' की आशंका है। आधिकारिक समाचार एजेंसी 'शिन्हुआ' ने बताया कि सान्या शहर में सभी स्कूल, निर्माण स्थल और पर्यटन केंद्र बंद कर दिए गए हैं तथा शहर के हवाई अड्डे पर उड़ानें निलंबित कर दी गई हैं। 'शिन्हुआ' के मुताबिक, बृहस्पतिवार रात को तूफान के कारण फंसे एक मालवाहक पोत से चालक दल के एक दर्जन सदस्यों को बचा लिया गया है।

पश्चिम एशिया में तनाव के कारण फलस्तीन मुद्दे पर संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन स्थगित

इजराइल और फलस्तीन के लिए द्वि–राष्ट्र समाधान पर अगले हफ्ते प्रस्तावित संयुक्त राष्ट्र के एक महत्वपूर्ण सम्मेलन को पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के मद्देनजर स्थगित कर दिया गया

है। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। फ्रांस और सऊदी अरब को 17 से 20 जून तक न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा की ओर से आयोजित किए जाने वाले उच्च–स्तरीय सम्मेलन की सह–अध्यक्षता करनी थी। मैक्रों उन नेताओं में शामिल हैं, जिन्हें इस सम्मेलन में हिस्सा लेना था।। फलस्तीनी प्राधिकरण को उम्मीद थी कि यह सम्मेलन लंबे समय से बंद पड़ी शांति प्रक्रिया को बहाल करने में मददगार साबित होगा।

रूस के साथ समझौते के तहत यूक्रेन को और सैनिकों के शव सौंपे गए

इस्तांबुल में रूसी और यूक्रेनी प्रतिनिधिमंडलों के बीच शांति वार्ता के दौरान हुए समझौते के तहत रूस ने और सैनिकों के शव यूक्रेन को सौंपे हैं। यूक्रेनी अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। युद्धबंदियों के उपचार के लिए यूक्रेन के समन्वय मुख्यालय ने एक बयान में बताया कि रूस ने 1,200 शव लौटाए हैं और ''रूसी पक्ष के अनुसार, ये शव यूक्रेनी नागरिकों, विशेष रूप से सैन्य कर्मियों के हैं।'' बयान के मुताबिक, शवों को वापस लाने का काम यूक्रेन की सशस्त्र सेनाओं, देश की सुरक्षा सेवा, गृह मंत्रालय और अन्य सरकारी एजेंसी की मदद से किया गया।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर. 9190052 39332
.919450482227

इज़राइल पर दनादन मिसाइल और ड्रोन हमले कर रहा है ईरान, बचाव में सीधे कूद पड़ा अमेरिका, क्षेत्रीय युद्ध फैलने की आशंका बढ़ी

आज तड़के ईरान और इज़राइल ने एक–दूसरे पर जोरदार मिसाइल और हवाई हमले किये और जिस तरह से अब इस लड़ाई में अमेरिका ने भी सीधा दखल दे दिया है उससे क्षेत्रीय युद्ध के फैलने का खतरा बढ़ गया है। हम आपको बता दें कि इज़राइल ने अपने दुश्मन पर अब तक का सबसे बड़ा हवाई हमला शुरू किया है ताकि उसे परमाणु हथियार विकसित करने से रोका जा सके तो वहीं ईरान ने भी जवाबी कार्रवाई में इजराइल में दनादन मिसाइल हमले किये हैं। बताया जा रहा है कि ईरानी हमले में तीन इजराइली मारे गये हैं और कुछ लोग घायल हुए हें। मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक इज़राइल के कई शहरों में जिनमें तेल अवीव और यरुशलम भी शामिल हैं, वहां हवाई हमले के सायरन बजने लगे। लोग बंकरों की ओर भागे, जबकि ईरानी मिसाइलों की लहरें आकाश में दिखाई दीं और इज़राइली इंटरसेप्टर उन्हें रोकने के लिए उड़ान भरते नजर आए। बताया जा रहा है कि शुक्रवार रात के दो हमलों के बाद ईरान ने आज हमलों की नई लहरें शुरू कीं। इनमें से एक हमला आज तड़के इज़राइल के व्यावसायिक केंद्र तेल अवीव पर हुआ, जिसकी गूंज यरुशलम तक सुनी गई। ये हमले इज़राइल द्वारा किए गए उन हमलों की प्रतिक्रिया में थे, जिनमें ईरानी कमांडरों, परमाणु वैज्ञानिकों, सैन्य ठिकानों और परमाणु केंद्रों को निशाना बनाया गया था। इज़राइल की एम्बुलेंस सेवा के अनुसार, एक मिसाइल के घरों के पास गिरने से एक पुरुष और एक महिला की मौत हो गई और दर्जनों लोग घायल हो गए। टीवी पर देखा गया कि बचाव दल तेल अवीव के बाहर स्थित रिषोन लेज़ियोन शहर में नष्ट हुए अपार्टमेंटों के मलबे में जीवित लोगों की तलाश कर रहे थे। इज़राइल के रक्षा मंत्री इज़राइल काट्ज़ ने कहा है कि ईरानी नेतृत्व ने नागरिकों पर हमला करके ष्लाल रेखा पार कर दी हैष और इसके लिए उन्हें ष्भारी कीमत चुकानी पड़ेगीष। बताया जा रहा है कि ईरान समर्थित हूथी मिलिशिया द्वारा यमन से दागी गई एक मिसाइल ने इज़राइल के कब्जे वाले वेस्ट बैंक में पांच फ़िलिस्तीनियों को मार डाला है जिनमें तीन बच्चे भी शामिल थे। यह जानकारी

फिलिस्तीनी रेड क्रिसेंट ने दी है। उधर, ईरान की राजधानी तेहरान में तड़के कई धमाकों की आवाज़ें सुनी गईं। बताया जा रहा है कि दो मिसाइलें तेहरान के मेहराबाद हवाई अड्डे से टकराईं और वहाँ आग लगने की भी सूचना मिली। यह हवाई अड्डा प्रमुख ईरानी सैन्य ठिकानों के पास स्थित है और यहाँ लड़ाकू विमान और परिवहन विमान तैनात हैं। इस बीच, संयुक्त राष्ट्र में ईरान के राजदूत अमीर सईद इरवानी ने बताया है कि इज़राइल के हमलों में 78 लोग मारे गए हैं, जिनमें वरिष्ठ सैन्य अधिकारी भी शामिल हैं और 320 से अधिक लोग घायल हुए हैं, जिनमें से अधिकांश नागरिक हैं। उधर, दो अमेरिकी अधिकारियों ने बताया है कि अमेरिकी सैन्य बलों ने इज़राइल की ओर जा रही ईरानी मिसाइलों को मार गिराने में मदद की। इज़राइल की सेना ने कहा कि ईरान ने शुक्रवार को 100 मिसाइलें दागीं, जिनमें से अधिकांश या तो मार गिराई गईं या अपने लक्ष्य तक नहीं पहुंचीं। इज़राइली अधिकारियों ने कहा कि ईरान के परमाणु ठिकाने नतांज़ को गंभीर नुकसान पहुंचा है, लेकिन वास्तविक क्षति का आंकलन होने में समय लग सकता है। हम आपको बता दें कि पश्चिमी देशों ने लंबे समय से आरोप लगाया है कि ईरान वहां बम निर्माण योग्य यूरेनियम का संवर्धन कर रहा है। संयुक्त राष्ट्र में इजराइल के दूत डैनी डैनॉन ने कहा कि खुफिया जानकारी से पुष्टि हुई है कि ईरान कुछ ही दिनों में कई बमों के लिए आवश्यक यूरेनियम तैयार कर सकता था। उन्होंने इज़राइल की कार्रवाई को ष्राष्ट्रीय अस्तित्व की रक्षाष बताया। हम आपको यह भी बता दें कि ईरान लंबे समय से कहता आया है कि उसका परमाणु कार्यक्रम केवल नागरिक उद्देश्यों के लिए है, लेकिन इस सप्ताह संयुक्त राष्ट्र परमाणु निगरानी संस्था ने निष्कर्ष निकाला था कि ईरान ने परमाणु अप्रसार संधि का उल्लंघन किया है। इस बीच, संयुक्त राष्ट्र के परमाणु निगरानी संस्था के प्रमुख राफेल ग्रोसी ने सुरक्षा परिषद को बताया कि नतांज़ का सतह पर स्थित प्लांट नष्ट हो चुका है। उन्होंने कहा कि इज़राइली हमलों से फ़ोर्डो और इस्फहान स्थित अन्य दो परमाणु केंद्रों की स्थिति की जांच अभी जारी है। दूसरी ओर, इन हमलों और जवाबी कार्रवाइयों ने क्षेत्रीय युद्ध के फैलने की आशंका को बढ़ा दिया है।

इस बीच, ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली ख़ामेनेई ने इज़राइल पर युद्ध शुरू करने का आरोप लगाया है। वहीं एक वरिष्ठ ईरानी अधिकारी ने कहा है कि इज़राइल में कोई जगह सुरक्षित नहीं है और बदला ष्दर्दनाकष होगा। ईरान ने अमेरिका पर इन हमलों में मिलीभगत का आरोप लगाते हुए कहा कि अमेरिका इसके परिणामों की पूरी जिम्मेदारी साझा करता है। वहीं अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि अभी देर नहीं हुई है और तेहरान अब भी परमाणु कार्यक्रम पर समझौता कर इज़राइली बमबारी को रोक सकता है। हम आपको बता दें कि तेहरान और ट्रम्प प्रशासन के बीच एक नए समझौते को लेकर बातचीत चल रही थी, जो 2018 में ट्रम्प द्वारा छोड़े गए पुराने समझौते की जगह ले सके। लेकिन ईरान ने अमेरिका का अंतिम प्रस्ताव खारिज कर दिया।

रविवार को ओमान में वार्ता फिर से शुरू होनी है, लेकिन ईरान ने कहा है कि अब वार्ता में भाग लेने का कोई मतलब नहीं है। ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा, अमेरिका ने ऐसा व्यवहार किया है जिससे संवाद का कोई मतलब नहीं बचता। आप बातचीत का दावा और साथ ही साथ ज़ायोनी शासन (इज़राइल) को ईरान की ज़मीन पर हमला करने की अनुमति नहीं दे सकते हैं।

एफ–35 फाइटर जेट मारकर गिरा दिया, ईरान का बड़ा दावा, आईडीएफ ने बताया झूठ

मीडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव के बीच ईरान ने दावा किया कि उसने दो उन्नत इजरायली एफ–35 स्टील्थ लड़ाकू विमानों को मार गिराया है और उस दिन पहले हुए घातक इजरायली हमले का बदला लेने के लिए कई ड्रोन को रोका है। इस हमले में कथित तौर पर कई शीर्ष ईरानी सैन्य कमांडर, परमाणु वैज्ञानिक और महिलाओं और बच्चों सहित नागरिक मारे गए। तेहरान के अनुसार, यह हमला ज़ायोनी शासन द्वारा किया गया था। एक ऐसा शब्द जिसका इस्तेमाल ईरानी अधिकारी आमतौर पर इज़राइल का वर्णन करने के लिए करते हैं। ईरान के सेना जनसंपर्क कार्यालय द्वारा जारी एक आधिकारिक बयान में पुष्टि की गई कि देश की वायु रक्षा इकाइयों ने दो इज़रायली

लड़ाकू विमानों के साथ–साथ कई ड्रोन को सफलतापूर्वक निशाना बनाया और नष्ट कर दिया। बयान में कहा गया है कि पायलटों के भाग्य का पता लगाने के लिए जांच चल रही है और आगे की जानकारी समय पर दी जाएगी।

अगर पुष्टि हो जाती है तो यह एक बड़ा नुकसान होगा

संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा विकसित और इजरायल द्वारा इस्तेमाल किया जाने वाला एफ–35 स्टील्थ फाइटर दुनिया के सबसे उन्नत पांचवीं पीढ़ी के लड़ाकू विमानों में से एक माना जाता है। इस तरह के जेट को मार गिराना सैन्य क्षमता के एक महत्वपूर्ण प्रदर्शन के रूप में देखा जाता है। अगर ईरान के दावे की पुष्टि हो जाती है, तो वह युद्ध में एफ–35 को मार गिराने वाला पहला देश बन जाएगा।

इजरायल ने दावों का खंडन किया

इजरायली रक्षा बलों (आईडीएफ) ने ईरानी दावों का दृढ़ता से खंडन किया है। आईडीएफ अरबी भाषा के प्रवक्ता अविचाय एड्राई ने रिपोर्टों को निराधार बताते हुए खारिज कर दिया, उन्होंने कहा, ष्ईरानी मीडिया झूठ फैला रहा है। पूरी रिपोर्ट मनगढ़ंत है। सरकारी तस्नीम न्यूज़ एजेंसी समेत कुछ ईरानी मीडिया आउटलेट्स ने बताया कि ऑपरेशन के दौरान एक पायलट को पकड़ लिया गया था और उसकी पहचान एक महिला के रूप में की गई थी। रिपोर्ट में कहा गया है कि इंटरसेप्शन और शूटडाउन के पीछे ईरानी एयर डिफेंस सिस्टम का हाथ था।

इस्राइली हमले से ईरान के न्यूक्लियर ठिकाने पर फैला रेडिएशन, अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी का दावा

न्यूयॉर्क। अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (ੲ।ਞ।) के निदेशक राफेल ग्रोसी ने पुष्टि की है कि इस्राइली हमले में ईरान के परमाणु ठिकाने पर रेडिएशन और केमिकल लीक हुआ है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद को हालात की जानकारी देते हुए राफेल ग्रोसी ने यह जानकारी दी। ग्रोसी ने कहा कि इस्राइली हमले में नतांज परमाणु ठिकाने के ऊपरी और जमीनी ढांचा तबाह हो गया है। हालांकि जमीन के भीतर मौजूद यूरेनियम संवर्धन केंद्र को नुकसान पहुंचने के कोई संकेत अभी नहीं मिले हैं। हालांकि विद्युत आपूर्ति बाधित होने से सेंट्रीफ्यूज प्रभावित हुए होंगे। नतांज साइट पर रेडियोएक्टिव और केमिकल प्रदूषण हुआ है।

ईरान के संपर्क में हैं रेगुलेटरी अथॉरिटी

ग्रोसी ने बताया कि साइट के बाहर मौजूद रेडिएशन सामान्य स्तर का है और उससे पर्यावरण और लोगों को कोई नुकसान नहीं होगा। ग्रोसी ने कहा कि परमाणु केंद्र के भीतर जो रेडिएशन मौजूद है, वह अल्फा पार्टिकल्स हैं, जिन्हें सुरक्षा प्रबंधों से मैनेज किया जा सकता है। एजेंसी ईरान के परमाणु रेगुलेटरी अथॉरिटी के लगातार संपर्क में है और नुकसान की समीक्षा कर सुरक्षा सुनिश्चित कर रही है।

परमाणु केंद्रों पर नहीं होने चाहिए हमले

ग्रोसी के अनुसार, ईरान ने उनके परमाणु केंद्रों पर हुए हमलों की जानकारी दी, जिनमें फोर्डो फ्यूल एनरिचमेंट प्लांट और एसफहान कॉम्पलेक्स शामिल हैं। इन केंद्रों का इस्तेमाल यूरेनियम संवर्धन के लिए किया जा रहा है। एजेंसी के प्रमुख ने परमाणु केंद्रों पर हमले पर चिंता जाहिर की और कहा कि परमाणु केंद्रों पर कभी भी हमले नहीं होने चाहिए क्योंकि इससे लोगों के साथ ही पर्यावरण को भी नुकसान पहुंचता है। इस तरह के हमले परमाणु सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा हैं। ईरान की राजधानी तेहरान से 241 किलोमीटर दूर स्थित नतांज परमाणु केंद्र ईरान का यूरेनियम संवर्धन के लिए सबसे अहम केंद्र है। ईरान फिलहाल 60 प्रतिशत तक यूरेनियम संवर्धन इसी केंद्र पर कर रहा है। ऑपरेशन राइजिंग लॉयन के जरिए इस्राइल ने ईरान के परमाणु ठिकानों के साथ ही 200 से ज्यादा जगहों को निशाना बनाया गया।

भारतीय–अमेरिकियों ने अहमदाबाद में विमान दुर्घटना में लोगों की मौत पर शोक व्यक्त किया

भारतीय–अमेरिकियों ने अहमदाबाद में एअर इंडिया के विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने पर लोगों के मारे जाने पर शोक व्यक्त किया है। प्रवासी समुदाय के कई लोगों के लिए यह त्रासदी केवल सात संमदर पार खबरों की सुर्खियां नहीं, बल्कि व्यक्तिगत क्षति जैसी है। 'इंडो–अमेरिकन चौंबर ऑफ कॉमर्स ऑफ ग्रेटर ह्यूस्टन' के संस्थापक सचिव जगदीप अहलूवालिया ने कहा, ''इस त्रासदी के घाव बहुत गहरे हैं।'' उन्होंने पीटीआई से कहा, ''मैंने पिछले साल ह्यूस्टन और गुजरात के बीच व्यापारिक संबंध बनाने में मदद करने के लिए अहमदाबाद की यात्रा की थी। हमारी संवेदनाएं पीड़ित परिवारों और प्रभावित लोगों के साथ हैं।'' ह्यूस्टन में गुजरात से आए भारतीयों की बड़ी आबादी है। विभिन्न क्षेत्रों में काम करने वाले पेशेवरों ने इस घटना पर शोक व्यक्त किया। अहमदाबाद में पले–बढ़े और बाद में ह्यूस्टन में चिकित्सक के रूप में सेवाएं देने वाले डॉ. पटेल ने कहा, ''यह एक बेहद दुर्भाग्यपूर्ण और दुखद घटना है। मैंने वहां (अहमदाबाद) मेडिकल की पढ़ाई की थी। सभी 242 यात्रियों और उनके परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त करता हूं।'' नासा की पूर्व इंजीनियर एवं स्थानीय अधिवक्ता डॉ. वीणा अंबरदार ने कहा कि इस घटना ने पूरे समुदाय को हिला कर रख दिया है। उन्होंने कहा, '' इस घटना से ह्यूस्टन में हर वो व्यक्ति दुखी है जो अहमदाबाद से अपने परिवार, दोस्तों या पिछली यात्राओं के माध्यम से जुड़ा है। हमारी संवेदनाएं हर शोक संतप्त परिवार और चौबीसों घंटे काम करने वाली मेडिकल टीमों के साथ हैं।'' 'हिंदू अमेरिकन फाउंडेशन' के कार्यकारी निदेशक सुहाग शुक्ला ने कहा, ''अहमदाबाद में हुई यह त्रासदी हृदयविदारक है। हम यात्रियों के परिवारों, मेडिकल छात्रों के लिए प्रार्थना करते हैं।

इजरायल का साथ दिया तो कोई नरमी नहीं बरतेंगे, दुनिया को धमकाने वाले ट्रंप को खामनेई की सीधी चेतावनी

ईरान ने अमेरिका समेत अन्य देशों को कड़ी चेतावनी दी है। ईरान का कहना है कि जो भी देश इजरायल के साथ खड़ा है वो हमारे टारगेट पर है। हम इजरायल पर नरमी नहीं बरतेंगे। इजरायल को माकूल जवाब दिया जाएगा। जो भी देश इजरायल के समर्थन में खड़े हैं वो भी हमारे टारगेट पर हैं। ईरान की ये चेतावनी सीधे तौर पर अमेरिका को है। ईरान की ओर से सैकड़ों मिसाइलें तेल अवीव पर दागी गई। ईरान के धार्मिक नेता खामनेई ने कहा कि इजरायल को पछताना पड़ेगा। इसके बाद फिर इजरायल ने ईरान पर हमला किया। देर रात तेहरान में धमाकों की आवाज भी सुनाई पड़ी। पलटवार करते हुए ईरान ने इजरायल पर 150 बैलेस्टिक मिसाइलों से हमला किया है। इनमें से छह मिसाइलें राजधानी तेल अवीव में गिरी जिसमें एक महिला की मौत हो गई। वहीं 63 अन्य घायल हो चुके हैं। गौरतलब है कि ईरान में परमाणु स्थलों को निशाना बनाकर किए गए इजरायली हमलों के बाद तनाव बढ़ गया है। जानकारी के मुताबिक इस हमले में ईरान के 78 लोगों की मौत हुई है। जबकि 320 से ज्यादा लोग घायल बताए जा रहे हैं। वहीं ईरान के जवाबी हमले पर इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने साफ कहा है कि उनकी ओर से हमला जारी रहेगा और ईरानी परमाणु स्थल को निशाना बनाया जाएगा। ईरान ने अमेरिका के साथ न्यूक्लियर डील से हटने की घोषणा की है। उधर, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान से कहा है कि वह अपने न्यूक्लियर प्रोगाम पर अमेरिका के साथ समझौता करे। उन्होंने कहा कि ईरान को समझौता करने के लिए कई मौके दिए, लेकिन वे ऐसा नहीं कर पाए। आगाह किया कि इजरायल के हमले और भी तेज होते जाएंगे। हमलों के बाद ट्रंप ने कहा कि अब भी समय है कि नरसंहार को रोका जाए। खामेनेई ने एक बयान में कहा कि इजराइल ने हमारे प्यारे देश में अपराध के लिए अपना दुष्ट और खून से सना हाथ फैलाया है, तथा आवासीय केंद्रों पर हमला करके अपनी दुर्भावनापूर्ण प्रकृति को पहले से कहीं अधिक उजागर कर दिया है।

बाली में पर्यटक विला में फायरिंग, एक आस्ट्रेलियाई युवक की मौत

इंडोनेशिया के पर्यटक द्वीप में एक विला में फायरिंग हुई है। इसमें एक आस्ट्रेलियाई युवक की गोली लगने से मौत हो गई। हमले में एक अन्य आस्ट्रेलियाई व्यक्ति घायल हो गया। स्थानीय पुलिस प्रमुख आरिफ बटुबारा ने कहा कि जांच चल रही है और पुलिस संभावित गवाहों की तलाश कर रही है।

बटुबारा ने बताया कि दोनों पीड़ितों को बाली की प्रांतीय राजधानी डेनपसार के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए, कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।